page 1 and 8 July 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/8/2026 2:00 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 कुलगाम में एग्रीस्टैक मॉड्यूल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

5 रोनाल्डो ने विश्व कप को कहा अलविदा, बोले यह मेरा आखिरी फीफा वर्ल्ड कप था

8 डोडा में मलेरिया टीम ने चलाया डेंगू जागरूकता एवं निगरानी अभियान

मौसम जम्मू — न्यूनतम 23 — अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-169 | जम्मू तवी, बुधवार 08 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत इंडोनेशिया और आसियान क्षेत्र में प्रगति और समृद्धि की प्रेरक शक्तिः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 07 जुलाई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया में भारतीय समुदाय से जुड़े कार्यक्रम में कहा कि दोनों देशों के बीच सभ्यता और सागर का संबंध है। दोनों देश विकास के लिए अधीर हैं। उन्होंने कहा कि भारत इंडोनेशिया और आसियान क्षेत्र में प्रगति और समृद्धि लाने के लिए एक प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज जकार्ता में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ भाग लिया। इस दौरान उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया की प्रगति और समृद्धि में योगदान देने और दोनों देशों के बीच मित्रता के जीवंत सेतु के रूप में कार्य करने के लिए भारतीय प्रवासी समुदाय की सराहना की। उन्होंने , आज का भारत सिर्फ अपने सपने पूरे नहीं कर रहा है, बल्कि हर मित्र देशों के सपनों के साथ है। भारत सबका साथ-सबका विकास के मंत्र पर चलता है।

भारत सबका साथ-सबका विकास के मंत्र पर चलता है। भारत की आत्मनिर्भरता इंडोनेशिया सहित पूरे आसियान क्षेत्र के लिए गुणक बल है

भारत की आत्मनिर्भरता इंडोनेशिया सहित पूरे आसियान क्षेत्र के लिए गुणक बल है। कार्यक्रम में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा कि अनुवांशिक जांच में उन्हें पता चला है कि उनमें भारतीय डीएनए है। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने भारतीयों के दिलों को छू लिया है। दोनों देशों के बीच डीएनए आपसी विश्वास, साझेदारी और विरासत है। उन्होंने कहा, चाहे महानदी पर केले के छाल से बनी छोटी नावों को बहाने की परंपरा हो, वायंग कुलित के माध्यम से महाभारत का मंचन हो, या देवी श्री की पूजा हो, हर परंपरा भारत और इंडोनेशिया के बीच अटूट सांस्कृतिक संबंध को दर्शाती है। इस बंधन का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही समृद्ध भी है। उन्होंने इंडोनेशिया में लोकप्रिय भारतीय गीत 'कुछ-कुछ होता है...' का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के साथ काम करने से कुछ से आगे बहुत कुछ होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया के विकास को गति प्रदान कर रहा है। ऐसा पिछले 12 सालों में देश में हुए रिफार्म के कारण संभव हो पया है। कोरोना और पश्चिम एशिया के संकट से भी भारतीय अर्थव्यस्था न ठप्प हुई और न ही इसकी रफ्तार थमी। कार्यक्रम में अपने संबोधन में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने अपने यहां भी उनका अनुसरण किया है। उन्होंने कहा कि वे भारत की घरेलू राजनीति बारे में कुछ नहीं कहना चाहते लेकिन वे प्रधानमंत्री मोदी के प्रशंसक हैं और उन्होंने उनकी नीतियों को अपने यहां कापी किया है।

उपराज्यपाल ने राष्ट्रविरोधी साहित्य के प्रसार के विरुद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा की

श्रीनगर, 07 जुलाई (हि.स.)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रविरोधी और अलगाववादी सामग्री वाली पुस्तकों और साहित्य के प्रसार के संबंध में की गई कार्रवाई की समीक्षा की।

बैठक में मुख्य सचिव अटल दुल्लू; विद्युत विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अश्वनी कुमार, गृह विभाग के प्रधान सचिव चंद्रकर भारती, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मनदीप के. भंडारी, खुफिया ब्यूरो के अतिरिक्त निदेशक पंकज ठाकुर, सीआईडी के एडीजीपी नीतीश कुमार और विद्यालय शिक्षा विभाग के आयुक्त/सचिव राम निवास शर्मा उपस्थित थे। अधिकारियों ने उपराज्यपाल को अलगाववाद का महिमामंडन करने वाली पुस्तकों की बरामदगी के बारे में जानकारी दी और इस बात पर जोर दिया कि साहित्य की खरीद, अनुमोदन या प्रसार के लिए जिम्मेदार लोगों को सख्त कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। मामले का गंभीर संज्ञान लेते हुए उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालयों, सरकारी और निजी कॉलेजों और स्कूलों, सार्वजनिक और निजी पुस्तकालयों आदि में राष्ट्र-विरोधी, अलगाववादी या आपत्तिजनक सामग्री वाले किसी भी प्रकाशन जिसमें पुस्तकें, पत्रिकाएँ, मैगज़ीन या कोई भी साहित्य शामिल है की खरीद, वितरण और उपलब्धता को रोकने के लिए प्रभावी तंत्र स्थापित करें। इसमें इन संस्थानों के प्रमुखों द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर अपने-अपने संस्थानों में ऐसी किसी भी सामग्री की उपलब्धता के विरुद्ध पुष्टि करना शामिल होगा साथ ही व्यापक लेखापरीक्षा और निरीक्षण करना भी शामिल होगा। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों की वेबसाइटों और डिजिटल डेटाबेस की जांच करने और यदि कोई आपत्तिजनक सामग्री पाई जाती है तो उसे तुरंत हटाने का भी निर्देश दिया। इस बात पर जोर देते हुए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों उपराज्यपाल ने स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए पुस्तकों और शैक्षणिक सामग्री की खरीद को नियंत्रित करने वाली एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का निर्देश दिया। एसओपी में एक मजबूत जांच तंत्र का प्रावधान होना चाहिए जिसमें प्रख्यात शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और वरिष्ठ अधिकारियों के एक पैनल द्वारा आवधिक यादृच्छिक जांच शामिल हो ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राष्ट्र-विरोधी या अलगाववादी विचारों को बढ़ावा देने वाली कोई भी सामग्री शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश न करे। उपराज्यपाल ने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की चूक के लिए कड़ी जवाबदेही तय की जाएगी और संबंधित संस्थान के प्रमुख को इसके लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा। शैक्षिक व्यवस्था की सुरक्षा के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान ज्ञान, राष्ट्र निर्माण और संवैधानिक मूल्यों के केंद्र बने रहने चाहिए और आपत्तिजनक साहित्य के माध्यम से छात्रों को गुमराह करने या कट्टरपंथी बनाने के किसी भी प्रयास को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रेलवे में सुरक्षा मजबूत करने के लिए 4,098 तकनीकी पदों पर भर्ती को मंजूरी

नई दिल्ली, 07 जुलाई। रेलवे मंत्रालय ने देशभर के विभिन्न रेलवे जोनों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 4,098 तकनीकी पदों पर भर्ती प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है।

अधिकारियों के अनुसार मंत्रालय ने 35 तकनीकी श्रेणियों में रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया है। इनमें जूनियर इंजीनियर, डिपो मटेरियल सुपरिंटेंडेंट, रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक सहित कई ऐसे पद शामिल हैं, जो रेलवे परिचालन की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। रेलवे मंत्रालय द्वारा सभी रेलवे जोनों के महाप्रबंधकों को जारी हालिया परिपत्र में कहा गया है कि आंतरिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) के माध्यम से विभिन्न जोनों में रिक्त पदों की स्थिति का आकलन किया गया है। इसी मूल्यांकन के आधार पर संबंधित पदों पर भर्ती प्रक्रिया तत्काल शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

पर्यटन और व्यापार क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मिले मुख्यमंत्री उमर, हरसंभव सहयोग का दिया आश्वासन

श्रीनगर, 07 जुलाई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज सिविल सचिवालय में यात्रा, पर्यटन और व्यापार क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात कर जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने, व्यापार सुगमता और समग्र आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख यात्रा एवं पर्यटन संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। इनमें इरशाद अहमद (टीएएआई), स्काल इंटरनेशनल कश्मीर के अध्यक्ष ज़हूर कारी, ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टाफी) के चेयरमैन बुरहान मिसगर तथा टास्क के अध्यक्ष वसीम गूसानी शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को पर्यटन उद्योग से जुड़े विभिन्न मुद्दों, पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के उपायों, यात्रा को अधिक सुगम बनाने तथा जम्मू-कश्मीर में पर्यटन की गति को बनाए रखने के लिए आवश्यक पहलों से अवगत कराया। उन्होंने पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने और जम्मू-कश्मीर को देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में और अधिक मजबूत पहचान दिलाने के संबंध में भी कई सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को गंभीरता से सुना और कहा कि उनकी सरकार पर्यटन क्षेत्र के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पर्यटन जम्मू-कश्मीर में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक प्रमुख आधार है।

उन्होंने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा तथा संबंधित विभागों के समन्वय से निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

बाद में कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव तारिक गनी ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर व्यापार, उद्योग और पर्यटन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

उपराज्यपाल सिन्हा ने डोडा प्रशासन को दिए बाढ़ प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत देने के निर्देश

श्रीनगर, 07 जुलाई । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को डोडा में अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बादल फटने से आई अचानक बाढ़ से प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत और मदद पहुंचाना सुनिश्चित करें।

उपराज्यपाल ने एक्स पर कहा, थाथरी इलाके में बादल फटने के बाद हालात का जायजा लेने के लिए डोडा के डीसी से बात की। कई घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचा है लेकिन अच्छी बात यह है कि किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है।

सिन्हा ने कहा कि उन्होंने डीसी को निर्देश दिया है कि वे प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत और मदद पहुंचाएं और राष्ट्रीय राजमार्ग-244 को साफ करने समेत बहाली के काम में तेज़ी लाएं। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा ज़िले में भारी बारिश के कारण थाथरी शहर के ऊपरी इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कई घरों, दुकानों और गाड़ियों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा।

डीजीपी ने भगवती नगर बेस कैंप में सुरक्षा और लॉजिस्टिकल इंतज़ामों का लिया जायज़ा

जम्मू, 07 जुलाई। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात आईपीएस ने आज जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप का दौरा किया और चल रही श्री अमरनाथ जी यात्रा (संजय-2026) के लिए सुरक्षा और लॉजिस्टिकल इंतज़ामों की समीक्षा की। दौरे के दौरान डीजीपी ने सुरक्षा तैनाती, एक्सेस कंट्रोल, निगरानी के उपायों, तीर्थयात्रियों की सुविधा और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र का जायज़ा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों से बातचीत की और उन्हें निर्देश दिया कि वे सभी श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता, आपसी तालमेल और जनता के अनुकूल पुलिसिंग के उच्चतम मानकों को बनाए रखें। डीजीपी के साथ डीआईजी सीआरपीएफ, डीआईजीज जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज, एसएसपी जम्मू और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

डीएसईजे ने जम्मू मंडल के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के साथ-साथ कोचिंग केंद्रों में उपलब्ध सभी पुस्तकालय पुस्तकों की व्यापक समीक्षा का दिया आदेश

जम्मू, 07 जुलाई । एक नए घटनाक्रम में जम्मू स्कूल शिक्षा निदेशालय (डीएसईजे) ने जम्मू मंडल के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के साथ-साथ कोचिंग केंद्रों में उपलब्ध सभी पुस्तकालय पुस्तकों की व्यापक समीक्षा का आदेश दिया है। यह कदम स्कूलों में पुस्तकालयों के लिए पुस्तकों की स्वीकृति को लेकर हाल ही में हुए विवाद के मद्देनजर उठाया गया है।

जम्मू स्कूल शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी नए परिपत्र के अनुसार सभी संस्थान प्रमुखों (एचओआई) को निर्देश दिया गया है कि वे कक्षाओं, पुस्तकालयों, कार्यालयों और स्टाफ रूम में उपलब्ध प्रत्येक पुस्तक जिसमें हाल ही में खरीदी गई और पुरानी पुस्तकें भी शामिल हैं की जांच करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शैक्षणिक संस्थानों में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या अनुचित सामग्री का उपयोग न हो रहा हो।

परिपत्र में कहा गया है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य ऐसी किसी भी सामग्री की पहचान करना है जो धार्मिक भावनाओं, प्रचलित कानूनों, शैक्षिक मूल्यों या स्थापित मानदंडों का उल्लंघन कर सकती है। सभी पठन सामग्री राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आयु-उपयुक्त दिशानिर्देशों और उद्देश्यों के अनुरूप होनी चाहिए

डीएसईके ने संबंधित संस्थान को निर्देश दिया है कि वे पाई गई किसी भी आपत्तिजनक सामग्री की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें जिसमें पुस्तक का शीर्षक, लेखक और प्रकाशक के साथ-साथ उपलब्ध प्रतियों की संख्या का उल्लेख हो। परिपत्र के निर्देशों के अनुसार सभी सरकारी और निजी स्कूलों और कोचिंग केंद्रों को संबंधित क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (जेडईओ) को अनुपालन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि सभी पुस्तकों की पूरी तरह से जांच की गई है, परिसर में कोई आपत्तिजनक सामग्री मौजूद नहीं है और पुस्तकालय की पुस्तकें एनईपी 2020 के दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं।

बारिश की कमी से प्रभावित 15 अतिरिक्त जिलों की कृषि मंत्रालय ने की पहचान

एल नीनो की चुनौतियों से निपटने के लिए समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 07 जुलाई । कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को कृषि भवन में खरीफ फसलों की बुवाई से संबंधित वर्तमान स्थिति, मानसून और एल नीनो के प्रभाव का आकलन, वर्षा की कमी से प्रभावित जिलों की संख्या, कॉन्टिंजेंसी प्लान के क्रियान्वयन, उर्वरकों की उपलब्धता तथा खाद्यान्नों के भंडारण की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को अधिकारियों ने बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई की रफ्तार अभी धीरे है, लेकिन अगले तीन दिनों में गुजरात, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में बारिश की संभावना बन रही है। इससे बुवाई में तेजी आने की संभावना है। हालांकि, नवीनतम जलवायु मॉडल पूर्वानुमानों के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून पर एल नीनो के प्रभाव बने रहने की आशंका है।

कृषि मंत्रालय ने बताया कि देश में 262 संवेदनशील जिलों की पहचान की है। इनमें राज्यवार जिलों की संख्या के आधार पर अब तक हुई बारिश के वितरण का विश्लेषण किया गया। कृषि मंत्रालय की नजर इन जिलों पर लगातार बनी हुई है। मंत्रालय ने 15 अतिरिक्त प्रभावित जिलों की भी पहचान की है जहां बारिश की कमी बनी हुई है।

मुख्य सचिव ने शहरी चुनौती निधि के तहत शुरू की जाने वाली अवसंरचना परियोजनाओं का किया आकलन

श्रीनगर, 7 जुलाई । मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज आवास एवं शहरी विकास विभाग (एच एंड यूडीडी) की एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें भारत सरकार के शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) के तहत प्रस्तावित शहरी अवसंरचना परियोजनाओं की पहचान और चयन प्रक्रिया में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। एच एंड यूडीडी के आयुक्त सचिव, नगर आयुक्तों और अन्य विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में हुई इस बैठक में जम्मू और कश्मीर को इस परिवर्तनकारी वित्तपोषण तंत्र का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए तैयार करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया जिसका उद्देश्य सतत शहरी विकास और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देना है। उच्च गुणवत्ता वाले और आर्थिक रूप से व्यवहार्य प्रस्ताव तैयार करने के महत्व पर जोर देते हुए मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि सभी चयनित परियोजनाएं शहरी चुनौती कोष के दिशानिर्देशों के अनुरूप हों और मजबूत व्यवहार्यता अध्ययन, सतत वित्तपोषण मॉडल और स्पष्ट कार्यान्वयन रणनीतियों द्वारा समर्थित हों। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि परियोजनाओं को न केवल शहरी केंद्रों की तात्कालिक अवसंरचना आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक अवसर भी सृजित करने चाहिए, शहरी लचीलेपन को मजबूत करना चाहिए, नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना चाहिए और पर्यावरण की दृष्टि से सतत विकास को बढ़ावा देना चाहिए। मुख्य सचिव ने प्रस्तावित परियोजनाओं के समय पर मूल्यांकन और अनुमोदन को सुगम बनाने के लिए आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के साथ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

ग्रामीण-शहरी विकास में भेदभाव बर्दाश्त नहीं, सरकार गांवों की अनदेखी बंद करे : ओम प्रकाश खजूरिया

जम्मू, 7 जुलाई। प्रख्यात मानवाधिकार कार्यकर्ता ओम प्रकाश खजूरिया ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़क विकास को लेकर कथित असमानता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गांवों की अनदेखी कर विकसित भारत और विश्वगुरु भारत का सपना साकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की आत्मा गांवों में बसती है और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में ग्रामीण मतदाताओं की सबसे बड़ी भूमिका होती है। आर.एस.पुरा-इंदिरा नगर-मीरां साहिब मार्ग की जर्जर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए खजूरिया ने कहा कि यह सड़क हजारों लोगों के लिए परेशानी और दुर्घटनाओं का कारण बन चुकी है। मानसून के दौरान सड़क पर बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक जोखिम का सामना कर रहे हैं। खजूरिया ने कहा कि विकास में असमानता का उदाहरण मीरां साहिब क्षेत्र में साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि इंदिरा नगर, जो नगर निगम क्षेत्र में आता है, वहां पहुंचते ही सड़कें बेहतर और व्यवस्थित दिखाई देती हैं, जबकि उससे पहले ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें

गड्ढों और टूट-फूट से बदहाल हैं। उन्होंने इसे ग्रामीण क्षेत्रों के प्रति उदासीनता का उदाहरण बताते हुए कहा कि विकास का लाभ शहरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना चाहती है तो विकास की योजनाओं में गांवों को समान प्राथमिकता देनी होगी। असली भारत गांवों में बसता है। यदि गांवों की सड़कें, बुनियादी सुविधाएं और आधारभूत ढांचा उपेक्षित रहेगा तो समावेशी विकास की परिकल्पना अधूरी रहेगी, उन्होंने कहा। मानवाधिकार कार्यकर्ता ने बताया कि आर.एस.पुरा-मीरां साहिब मार्ग की खराब स्थिति को लेकर स्थानीय लोग कई बार अपनी चिंता और नाराजगी जता चुके हैं, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

अमरनाथ यात्रा और मानसून के बीच एसडीआरएफ का सुरक्षा अभियान तेज, नदियों से दूर रहने की अपील

जम्मू, 07 जुलाई । श्री अमरनाथ यात्रा-2026 और जारी मानसून सीजन के मद्देनज़र राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की दूसरी बटालियन जम्मू ने यात्रियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान शुरू किया है।

कमांडेंट दूसरी बटालियन एसडीआरएफ मोहम्मद असलम के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर लोगों को मानसून के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी जा रही है। जम्मू के तवी रिवर फ्रंट स्थित यात्री पंजीकरण केंद्र पर एसडीआरएफ के अधिकारियों ने डिप्टी एसपी ललित कुमार की निगरानी में मेगाफोन के माध्यम से श्रद्धालुओं को नदी के बढ़ते जलस्तर और अचानक आने वाली बाढ़ जैसी परिस्थितियों के प्रति सतर्क किया। अधिकारियों ने यात्रियों को स्पष्ट रूप से आगाह किया कि भारी बारिश के कारण तवी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है जिससे तेज बहाव और जानलेवा हालात पैदा हो सकते हैं। श्रद्धालुओं से नदी के किनारे जाने या उसमें प्रवेश करने से बचने तथा प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई। इसी तरह अखनूर के सीडी टाउन क्षेत्र में चिनाब नदी के विभिन्न घाटों पर भी एसडीआरएफ की टीमों ने स्थानीय लोगों, श्रद्धालुओं और आगंतुकों को जागरूक किया। लोगों को बताया गया कि डोडा और किश्तवाड़ सहित ऊपरी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। ऐसे में नदी के किनारे जाना या उसमें उतरना बेहद खतरनाक हो सकता है। एसडीआरएफ ने चेतावनी दी कि तेज बहाव, फिसलन भरे तट और पानी के भीतर छिपे खतरे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। एसडीआरएफ ने मानसून सुरक्षा सलाह जारी करते हुए लोगों से नदियों, नालों, झरनों और अन्य जल स्रोतों से दूर रहने, उफनते पुलों या जलमग्न सड़कों को पार करने का प्रयास न करने तथा नदी किनारों पर स्नान, कपड़े धोने या सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों से बचने की अपील की है। बच्चों पर विशेष निगरानी रखने, मौसम विभाग और जिला प्रशासन द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करने तथा अफवाहों पर ध्यान न देकर केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की भी सलाह दी गई है।

संभागायुक्त ने चंद्रकोट यात्रा शिविर, लंगर स्थलों और ठहराव केंद्रों का किया निरीक्षण

रामबन/उधमपुर, 07 जुलाई। संभागायुक्त जम्मू रमेश कुमार ने आज श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के तहत रामबन के चंद्रकोट यात्रा शिविर तथा उधमपुर के विभिन्न ठहराव केंद्रों और लंगर स्थलों का दौरा कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इस दौरान उपायुक्त उधमपुर मिंगा शेरपा तथा उपायुक्त रामबन मोहम्मद इलियास खान भी उनके साथ मौजूद रहे। रामबन में संभागायुक्त ने चंद्रकोट यात्रा शिविर का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, चिकित्सा सुविधाओं तथा सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न लंगर स्थलों पर खाद्य सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और किसी प्रकार की कमी न रहने दी जाए।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

कॉरपोरेट सेक्टर में मुकाम

लॉ की एक अहम शाखा है कॉरपोरेट लॉ. इसके जरिये विद्यार्थी कॉरपोरेट सेक्टर के साथ जुड़ सकते हैं. यह कोर्स पूरा करने के बाद बेहतरीन कैरियर विकल्प के साथ ही अच्छे वेतन की भी संभावना है. अगर आपमें अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता है और चुनौतियों को स्वीकार करने में आपको मजा आता है, तो आप कानून के एक्सपर्ट बन कर कैरियर में नयी ऊंचाई छू सकते हैं. पारंपरिक वकील और न्यायिक सेवाओं के अलावा अब कॉरपोरेट लॉयर बन कर भी शानदार कैरियर बनाया जा सकता है. कैसे लें इस क्षेत्र में दाखिला और कैसे छुएं ऊंचाइयों को, सबके बारे में जानें विस्तार से.

देश में कोर्ट बेशक कम हों, लेकिन मुकदमों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है. इसीलिए अच्छे वकीलों की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. देश का कानून इतना व्यापक है कि स्पेशलाइजेशन की जरूरत बढ़ जाती है. इस तरह के स्पेशलाइजेशन की मेडिकल क्षेत्र से तुलना की जा सकती है. आप अपनी रुचि के अनुसार किसी विशेष क्षेत्र के कानून के विशेषज्ञ के रूप में पहचान बना सकते हैं.

यह क्षेत्र एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ, कांस्टीट्यूशनल लॉ, फैमिली लॉ, इंटरनेशनल लॉ, साइबर लॉ, लेबर लॉ, पेटेंट लॉ, इन्वायर्नमेंटल लॉ और कॉरपोरेट लॉ आदि में से कुछ भी हो सकता है. सिर्फ कॉरपोरेट लॉ की बात करें, तो इसका क्षेत्र भी काफी व्यापक होता जा रहा है.

कैसे बन सकते हैं कॉरपोरेट लॉयर

यह लीगल क्षेत्र का उभरता स्वरूप है. बड़े बिजनेस घराने और सरकारी विभागों को भी कई जटिल कानूनी मामलों का सामना करना पड़ता है. इन्हें हल करने के लिए कॉरपोरेट लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है. इनका काम कंपनी के संचालन में कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करना, कंपनी से जुड़े मुकदमों की पैरवी करना, कंपनी के लिए कांट्रैक्ट तैयार करना आदि होता है. कॉरपोरेट कंपनियों में मिलनेवाले आकर्षक वेतन के चलते युवा इस तरफ काफी आकर्षित हो रहे हैं.

क्या होता है काम

कंपनी को सुचारु ढंग से चलाने के लिए सरकारी नियमों के अलावा कंपनियां अपने कर्मचारियों, उपभोक्ता या एसोसिएट्स के लिए भी नियम बनाती हैं. ऐसे ही नियमों की गुत्थियों को समझने और उनकी प्राथमिकताओं को पूरा करने का भार कॉरपोरेट लॉ के जानकारों का होता है. कॉरपोरेट लॉ फर्म अपने ग्राहक की टैक्स प्लानिंग से लेकर, कर्मियों, सहयोगियों, शेयरधारकों और यहां तक कि किरायों एवं समझौतों की संपूर्ण रूपरेखा बनाते हैं. कॉरपोरेट लॉ फर्म किसी भी कंपनी की रीढ़ होती है, जिसके द्वारा किये गये काम से ही कंपनी की वार्षिक आमदनी और उपलब्धियों का आकलन किया जाता है.

किन क्षेत्रों में होती है इसकी भूमिका

कंपनी के टैक्सों का आकलन और निष्पादन, नये संस्थानों के गठन की संरचना, लाइसेंस समझौता बनाना, बौद्धिक संपत्तियों को संरक्षित करना, शेयरधारकों के लिए नियम बनाना, विक्रय और वितरक समझौते की रूपरेखा तैयार करना, ट्रेड मार्क और कॉपीराइट नियमों का निष्पादन करना, कर्मियों के लिए कंपनी अधिनियमों के अनुरूप नियम बनाना, संयुक्त या किसी भी प्रकार के उपक्रम की संरचना, नये व्यवसायों के लिए लाभ-हानि की सलाह देना वगैरह कॉरपोरेट लॉयर के कामों में शामिल है.

कैसे लें प्रवेश

दसवीं के बाद ही लॉ की पढ़ाई शुरू की जा सकती है. कई यूनिवर्सिटीज और प्राइवेट कॉलेजों में पांच वर्षीय बीए एलएलबी कोर्स कराया जाता है. अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स के बाद इस क्षेत्र में कैरियर शुरू कर सकते हैं. एंट्रेंस एग्जाम में बैठने के लिए दसवीं में कम से कम 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए. देश के विभिन्न नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और स्कूल में एडमिशन 'कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) के माध्यम से होता है. अन्य संस्थान लॉ कोर्सेज के लिए अलग-अलग एंट्रेंस एग्जाम्स आयोजित करते हैं. कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट में आमतौर पर इंगलिश, लॉजिकल रीजनिंग, लीगल रीजनिंग, मैथमेटिक्स और जनरल नॉलेज से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं. अगर आप विदेश जाकर लॉ की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो वहां दाखिले की प्रक्रिया अलग हो सकती है.

पृथ्वी के गर्भ को समझने का मौका सीस्मोलॉजी

भूकंप विज्ञान का क्षेत्र काफी नया है. इस क्षेत्र ने पिछले कुछ वर्षो में काफी तेजी से प्रगति की है. कई युवा साथी इस क्षेत्र में अपना भाग्य आजमा रहे हैं. यह क्षेत्र केवल आपदा या उसके बाद के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान में किसी भी भवन के निर्माणकार्य से पूर्व उसे भूकंपरोधी बनाने के लिए भी कार्य करता है.

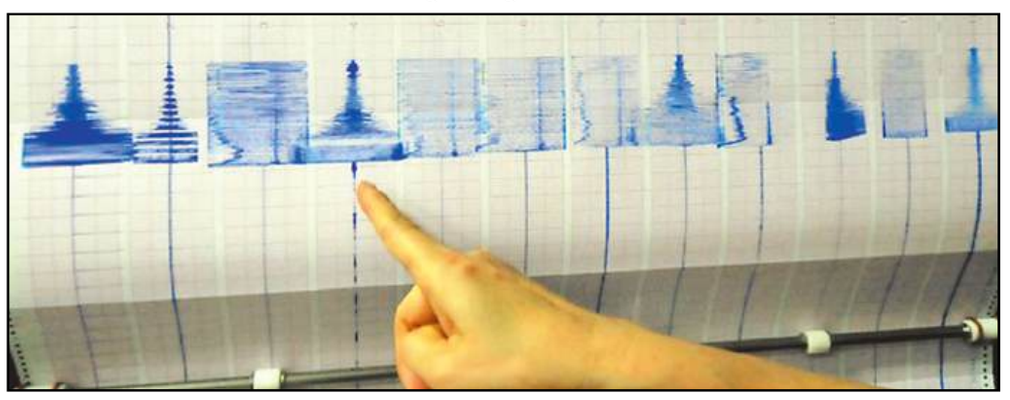

क्या है सिस्मोलॉजी

यह भूकंप और भूकंपीय तरंगों से पृथ्वी की अंतरंग अवस्था को समझने का विज्ञान है. यह विज्ञान का नया क्षेत्र है, जिससे पृथ्वी के अंदर की चीजों के बारे में काफी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई हैं. भूकंप विज्ञान की शुरुआत 1880 के आसपास भूकंपलेखी उपकरण के आविष्कार के साथ हुई. जो विद्यार्थी इस विषय को लेकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें अर्थक्वेक इंजीनियर कहा जाता है. अर्थक्वेक इंजीनियरिंग यानी सिस्मोलॉजी के अध्ययन में धरती के भीतर होनेवाले कंपन यानी भूकंप के कारणों के बारे में जाना जाता है. साथ ही, इससे मानवीय जीवन को होनेवाले नुकसान के अलावा जान-माल और पर्यावरण को होनेवाले नुकसान का भी अध्ययन किया जाता है. भूकंप के कुछ सेकेंड बाद ही आखिर यह कैसे पता चल जाता है कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर कितनी थी और इस भूकंप का केंद्र कहां स्थित था. इनकी जानकारी सिस्मोग्राफर की मदद से हो पाती है. भूकंप विज्ञान में केवल उसकी तीव्रता को नहीं मापा जाता. भूकंप आने के पूर्व और बाद की घटनाएं, पर्यावरण में बदलाव के अलावा किस प्रकार के भूकंप का जान-माल पर कैसा असर पड़ता है, इसका अध्ययन इसमें किया जाता है. साथ ही, पृथ्वी के गर्भ में मौजूद खनिजों आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जाती है.

योग्यता - भारत में अर्थक्वेक इंजीनियरिंग की शिक्षा पोस्टग्रेजुएट स्तर पर उपलब्ध है, जिसमें छात्र मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग (एमइ) / मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एमटेक) कर सकते हैं. इन कोर्सो में ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) के माध्यम से प्रवेश ले सकते हैं. इस विषय में पीएचडी भी कर सकते हैं.

चुनौतीपूर्ण है यह क्षेत्र

अगर आप सिस्मोलॉजी के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो यह भलीभांति समझ लें कि यह क्षेत्र आसान नहीं है. इसमें आप अधिकांश समय व्यस्त ही रहेंगे. हां, अगर आप उपलब्धियां हासिल करना चाहते हैं, तो इस काम में मजा भी बहुत आयेगा. भूकंप से संबंधित सूचनाएं एकत्र करने के बाद प्रयोगशाला में उसका अध्ययन करना और उससे प्राप्त आकड़ों से नयी चीजें सीखना, आपकी दिनचर्या में शामिल हो जायेगा. अर्थक्वेक इंजीनियरिंग या सिस्मोलॉजी में पृथ्वी के अंदर होनेवाली समस्त गतिविधियों पर नजर रखी जाती है. अर्थक्वेक इंजीनियर इन जानकारियों के आधार पर ही भूकंप के आशंकित क्षेत्रों, उसकी तीव्रता, पर्यावरण और जनसंख्या पर उसके प्रभाव आदि का आकलन करता है. इसके अन्य प्रमुख कार्यो में क्षेत्र विशेष और वहां आनेवाले भूकंपों की तीव्रता को ध्यान में रखते हुए इस तरह के भवनों की डिजाइन बनानी होती है, जिससे भूकंप से नुकसान कम हो.

संभावनाएं हैं अपार

सिस्मोलॉजी एक ऐसा विषय है, जिसमें उच्च अध्ययन करनेवाले युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं. विज्ञान की इस शाखा के तहत पृथ्वी, इसका पर्यावरण, इतिहास, खनिज आदि का अध्ययन किया जाता है. पिछले कुछ वर्षो में इस विषय में अध्ययन करनेवाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है. देश-विदेश में खुल रहे भूकंप अध्ययन केंद्रों, शोध संस्थाओं, सर्वे कंपनियों आदि में काम करने के अवसर तो पर्याप्त संख्या में हैं ही, साथ ही यदि इस क्षेत्र में अच्छी योग्यता हासिल कर ली जाये, तो इस विषय को विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने का भी अवसर मिल सकता है. विदेशी विश्वविद्यालयों में भी इस विषय के जानकारों की आवश्यकता रहती है. विदेशी शोध संस्थाओं के साथ जुड़ना आय के लिहाज से अच्छा माना जाता है. एक अच्छी जानकारी रखनेवाले अर्थक्वेक इंजीनियर का प्रारंभिक वेतन अमूमन 30 हजार रुपये प्रति माह तक होता है. कंपनी के कद के हिसाब से अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं.

समझें पर्सनालिटी के मायने

पर्सनालिटी या व्यक्तित्व को निखारने के लिए पहले यह समझना जरूरी है कि असल में पर्सनालिटी का अर्थ होता क्या है? समझें कि पर्सनालिटी ऊपरी नहीं, अंदरूनी होती है.

अकसर लोगों को यह कहते सुना जाता है कि उस व्यक्ति की पर्सनालिटी बहुत अच्छी है या खराब. आखिर क्या है पर्सनालिटी? क्या सही मायनों में हम इस शब्द के व्यापक रूप को समझ पाये हैं?

पर्सनालिटी को अकसर लोग शारीरिक आकर्षण या सुंदरता से जोड़ कर देखते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि हम इस शब्द के व्यापक रूप को नहीं समझते. पर्सनालिटी शब्द, लैटिन शब्द पर्सोना से पैदा हुआ है, जिसका अर्थ है मास्क. इस शब्द का उपयोग रोमन के लोग थियेटर में काम करने के लिए और अलग-अलग किरदार निभाने के लिए करते थे. इसका अर्थ तो यह हुआ कि पर्सनालिटी वही है, जैसा हम दिखते हैं या दूसरों को नजर आते हैं, लेकिन पर्सनालिटी की यह परिभाषा बहुत ही संकुचित है. व्यक्तित्व को सही रूप में इस परिभाषा से समझा जा सकता है -

पर्सनालिटी सिर्फ शारीरिक गुणों से ही नहीं, बल्कि विचारों और व्यवहार से मिल कर बनती है. यह समाज में हमारे समायोजन और हमारे व्यवहार को भी निर्धारित करती है. कोई भी व्यक्ति जन्मजात अच्छी पर्सनालिटी लेकर पैदा नहीं होता, बल्कि सफल होने लिए अपने अंदर गुणों को विकसित करना पड़ता है. ऐसे गुणों को जो दूसरों को प्रभावित करें. साथ ही अपने आपको भी विकसित करें. शारीरिक रूप से सुंदर होना या बुद्धिमान होना व्यक्तित्व का सिर्फ एक पहलू है. अच्छी पर्सनालिटी के लिए ज्ञान का सही उपयोग करना और अपनी मुद्रा व हाव-भाव को उसके अनुरूप बनाना आवश्यक होता है. अपने साथियों से बेहतर बनने के बजाय कोशिश करें कि आप अपने आपमें बेहतर बनें.

दबाव और डर दो बहुत ही बड़े कारण हैं, जो पर्सनालिटी को पूरी तरह से निखरने नहीं देते. इसलिए अपने अंदर के डर को पहचानना और उससे मुक्त होने का प्रयास करना आवश्यक है. व्यक्तित्व में विचारों और व्यवहारों की भूमिका के साथ-साथ फिजिकल कैरेक्टरस्टिक्स को भी नकारा नहीं जा सकता है. फिजिकल कैरेक्टरस्टिक्स का अर्थ सिर्फ खूबसूरत चेहरे से नहीं, बल्कि व्यक्ति की ऊर्जा और रहन-सहन का ढंग भी है. किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व इस बात से भी आंका जा सकता है कि वह अपने व्यक्तिगत रिश्तों का किस प्रकार निर्वाह कर रहा है या उसमें कितना सफल है.

नकारात्मक विचारों और भावनाओं पर पाएं विजय

अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए पहली आवश्यकता है इसे सही तरीके से समझना. आप अकसर वही देखते हैं, जो आप देखना चाहते हैं. अपनी नकारात्मक और कमतर समझने की भावना से दूर रहना जरूरी है. ऐसा बिल्कुल नहीं है कि अगर आप देखने में आकर्षक नहीं है, तो आपकी पर्सनालिटी अच्छी नहीं है. इसका सटीक उदाहरण मार्टिन लूथर किंग और गांधी जी जैसी शख्सियतें हैं. वे शारीरिक रूप से आकर्षित करनेवाले नहीं थे, लेकिन समाज के लिए इनका व्यक्तित्व एक मिसाल है. इन लोगों ने अपनी नकारात्मक भावनाओं पर विजय पायी और खुद पर भरोसा किया. नकारात्मक भावनाओं और विचारों पर विजय पाने का उपाय है, खुद से प्यार करो, खुद को अच्छा समझो और ऐसे लक्ष्य बनाओ, जिन्हें आप प्राप्त कर सकते हों.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

बांदीपोरा में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के कार्यों की समीक्षा, परियोजनाएं तेज करने के निर्देश

बांदीपोरा, 07 जुलाई। उपायुक्त बांदीपोरा इंदु कंवल चिब ने आज मिनी सचिवालय के वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष में आयोजित बैठक में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना एमपीलैड्स के तहत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में उपायुक्त ने विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और सभी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय से विकास कार्यों को बिना किसी अनावश्यक देरी के पूरा किया जाना चाहिए, ताकि आम जनता को समय पर लाभ मिल सके।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2025-26 के तहत कुल 30 विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 15 कार्य ग्रामीण विकास विभाग, 6 कार्य लोक निर्माण विभाग, 3 कार्य युवा सेवा एवं खेल विभाग** तथा 1 कार्य नगर परिषद** द्वारा किए जा रहे हैं। अधिकांश कार्य या तो पूरे हो चुके हैं अथवा प्रगति पर हैं, जबकि **5 कार्य अभी लंबित** हैं। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शेष कार्यों की नियमित निगरानी कर निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार और लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में सहायक आयुक्त विकास, मुख्य योजना अधिकारी, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग तथा अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में सजेगा 'इंडी हाट 2026', गिरिराज सिंह करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 07 जुलाई (हि.स.)। भारत की सदियों पुरानी कला, हथकरघा और हस्तशिल्प की अनूठी विरासत को दुनिया के सामने पेश करने के लिए देश की राजधानी में इंडी हाट 2026 का भव्य आयोजन होगा। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह 10 से 19 जुलाई तक चलने वाले इस उत्सव का 13 जुलाई को उद्घाटन करेंगे। वस्त्र मंत्रालय अनुसार यह आयोजन नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी में किया जाएगा, जो आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल अभियानों को एक नई उड़ान देगा। इस बार का इंडी हाट बेहद खास है क्योंकि यह भारत के सबसे बड़े वैश्विक वस्त्र सम्मेलन भारत टेक्स 2026 के साथ मिलकर आयोजित हो रहा है।

यात्रियों की सुविधा एवं रोजगार सृजन हेतु जम्मू मंडल में एटीवीएम फेसिलीटेटर, एसटीबीए एवं वाईटीएसए के स्थापित करने के लिए आवेदन आमंत्रित

***जम्मू, 07 जुलाई।** यात्रियों को बेहतर एवं सुगम टिकट सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल द्वारा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (ATVM) फेसिलीटेटर स्टेशन परिसर के बाहर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट तथा यात्री टिकट सुविधा केंद्र स्थापित करने के लिए पात्र व्यक्तियों एवं एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। एटीवीएम फेसिलीटेटर के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026, एसटीबीए के लिए 22 जुलाई 2026 तथा वाईटीएसए के लिए 23 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।

ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन रेलवे द्वारा स्टेशनों पर लगाई गई टच-स्क्रीन आधारित मशीन है जिसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफार्म टिकट और मासिक सीजन टिकट खरीदने के लिए लंबी कतारों से राहत देता है। जो यात्री मशीन का संचालन करने में असमर्थ हैं, उनकी सहायता के लिए स्टेशनों पर एटीवीएम फेसिलीटेटर भी तैनात किए जाते हैं। वहीं स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट योजना के अंतर्गत छोटे रेलवे स्टेशनों पर निजी एजेंट नियुक्त किए जाएंगे जो आम जनता को अनारक्षित टिकट उपलब्ध कराएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को बिना किसी परेशानी के आसानी से टिकट उपलब्ध कराना और रेलवे टिकट काउंटरों पर काम का बोझ कम करना है। यह सुविधा मुख्य रूप से हस्त्र-4,5 और हस्त्र-6 श्रेणी के स्टेशनों पर लागू होगी। टिकट बिक्री पर एजेंट को रेलवे द्वारा निर्धारित प्रतिशत में कमीशन प्रदान किया जाएगा।

यात्री टिकट सुविधा केंद्र रेलवे की पीपीपी यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप योजना है। इसके अंतर्गत बाजारों में रेलवे टिकट काउंटर खोलने की अनुमति दी जाती हैं। इन केंद्रों पर यात्री आरक्षित एवं अनारक्षित दोनों प्रकार के टिकट बुक कर सकते हैं। रेलवे के नियमानुसार इन केंद्रों द्वारा यात्रियों से अतिरिक्त सेवा शुल्क भी लिया जा सकेगा। इस योजना में उन अनुभवी

एजेंटों को प्राथमिकता से दी

जाएगी।

नए जम्मू मंडल के गठन के बाद यात्रियों को स्थानीय स्तर पर तेज एवं पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिकता है। ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन, स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट और यात्री टिकट सुविधा केंद्र के माध्यम से टिकटिंग का काम और अधिक सुचारू रूप से संचालित होगा तथा कर्मचारियों की कमी की समस्या का भी समाधान होगा, क्योंकि टिकटिंग का भार इन एजेंसियों एवं मशीनों पर बंट जाएगा। यह पहल वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,जम्मू श्री उचित सिंघल के नेतृत्व में जम्मू मंडल द्वारा डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे नकद रहित लेन-देन और तकनीक आधारित टिकटिंग को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही इन योजनाओं से स्थानीय युवाओं, स्वयं सहायता समूहों एवं अनुभवी एजेंटों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल ने कहा कि द्व्फ्नया जम्मू मंडल यात्रियों की सेवा और विकास दोनों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। एटीवीएम, एसटीबीए और वाईटीएसए केवल टिकट बिक्री के केंद्र नहीं हैं, बल्कि ये जनता और रेलवे के बीच विश्वास का सेतु हैं। हमारा संकल्प है कि जम्मू मंडल के प्रत्येक यात्री को चाहे वह शहरी क्षेत्र में हो या दूर-दराज के गांव में, न्यूनतम समय में अधिकतम सुविधा उपलब्ध हो। इन योजनाओं के माध्यम से हम टिकटिंग को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना चाहते हैं, ताकि यात्रियों को लंबी कतारों से राहत मिले और उन्हें घर के पास ही सम्मानजनक सेवा प्राप्त हो।

सावधान-कठुआ में एटीएम पर कार्ड बदलने वाला गिरोह सक्रिय, कार्ड बदलकर 67 हजार उड़ाए

कठुआ 07 जुलाई (हि.स.)। कठुआ शहर के रेलवे रोड क्षेत्र में एक बार फिर एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने का मामला सामने आया है। ताजा घटना रेलवे रोड़ स्थित पीएनबी के एटीएम से जुड़ी है जहां एक व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदल लिया गया और उसके खाते से कुल 67 हजार रुपये निकाल लिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे रोड निवासी रामपाल सिंह पैसे निकालने के लिए पीएनबी के एटीएम में गए थे। इस दौरान उन्हें मशीन से पैसे निकालने में दिक्कत आ रही थी। तभी वहां मौजूद कुछ अज्ञात युवकों ने उनकी मदद करने का बहाना किया और बड़ी चालाकी से उनका एटीएम कार्ड बदल दिया। इसके बाद ठगों ने अलग-अलग स्थानों से पैसे निकाल लिए। पहले करीब 60 हजार रुपये निकाले गए जबकि बाद में कालीबाड़ी क्षेत्र के एक एटीएम से 7 हजार रुपये और निकाल लिए। जब पैसे निकलने के मैसेज रामपाल सिंह के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आए तो उनके परिवार के लोग हैरान रह गए। पीड़ित के बेटे सत्यम ने बताया कि घटना के लगभग डेढ़ घंटे के भीतर ही साइबर सेल में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई साथ ही संबंधित पुलिस चैकी में भी मामला दर्ज करवाया गया है। उन्होंने बैंक से एटीएम की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग भी की है। गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी क्षेत्र में एक दंपति के साथ इसी तरह की ठगी की वारदात हो चुकी है जिसमें उनके खाते से करीब 20 से 22 हजार रुपये निकाले गए थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे रोड क्षेत्र में बड़ी संख्या में मजदूर लोग रहते हैं जिन्हें इस तरह के गिरोह आसानी से निशाना बना रहे हैं।

जावेद राणा ने सुनीं जन समस्याएं, त्वरित समाधान का दिया भरोसा

श्रीनगर, 07 जुलाई (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने मंगलवार को श्रीनगर में विभिन्न जन प्रतिनिधिमंडलों और लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। प्रतिनिधिमंडलों ने मंत्री के समक्ष विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे और विकास संबंधी मांगें रखीं तथा शीघ्र समाधान की अपील की। मंत्री ने सभी की बातें ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि प्रत्येक वास्तविक समस्या का पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाएगा।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और फील्ड स्तर पर बेहतर समन्वय बनाकर जन समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए। मंत्री ने कहा कि जनता से नियमित संवाद ही सुशासन की कुंजी है और सरकार आम लोगों तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

7 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

कठुआ, 07 जुलाई (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए बिलावर क्षेत्र में 7 वर्षों से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देशन में की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भुशन कुमार पुत्र पुन्नू राम निवासी धार दुग्नू तहसील बसोहली जिला कठुआ के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2019 में थाना बिलावर में एफआईआर नंबर 68/2019 धारा 380/511 आरपीसी के तहत मामला दर्ज था और वह लगातार गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस थाना बिलावर की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की।

मिशन युवा के तहत प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की समीक्षा, समयबद्ध कार्य पूरा करने के निर्देश

****अनंतनाग, 07 जुलाई।** अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त अनंतनाग विकास अहलावत ने सोमवार को उपायुक्त कार्यालय में मिशन युवा के तहत आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में कार्यक्रम के विभिन्न प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की प्रगति का आकलन किया गया।

बैठक में आउटपुट ट्रैकिंग, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण, सब्सिडी जारी करने, ओएनडीसी पर लाभार्थियों के पंजीकरण तथा **उद्यम जागृति 5.0** कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की गई।

अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त ने सभी प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों और हितधारकों को सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष रूप से ओएनडीसी पर लाभार्थियों का पंजीकरण तेज करने तथा मिशन युवा के तहत स्वयं सहायता समूहों के अधिक से अधिक आवेदन जुटाने पर जोर दिया, ताकि कार्यक्रम के उद्देश्यों को समय पर प्राप्त किया जा सके।

बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एनआरएलएम), रोजगार अधिकारी, करियर काउंसलिंग अधिकारी, डीईसीसी, एसबीडीयू एवं बीएचडी के सदस्य तथा मिशन युवा के प्रेरक उपस्थित रहे।

पीएम पैकेज कर्मचारियों के ट्रांजिट आवास परियोजना का उपायुक्त ने लिया जायजा

बडगाम, 07 जुलाई। उपायुक्त बडगाम अथर आमिर खान ने आज काकनमरान का दौरा कर जिले के पीएम पैकेज एवं प्रवासी कर्मचारियों के लिए निर्माणाधीन ट्रांजिट आवास परियोजना की प्रगति की व्यापक समीक्षा की। यह परियोजना पीएम पैकेज कर्मचारियों को आधुनिक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। इसके तहत 12 आवासीय ब्लॉकों में कुल 192 फ्लैट, एक सामुदायिक भवन, एक छात्रावास (डॉरमेट्री) तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। दौरे के दौरान उपायुक्त के साथ संयुक्त निदेशक योजना, बडगाम, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण एवं जल शक्ति मंडल, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, विद्युत विकास विभाग, राहत विभाग के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शोपियां में दो लश्कर आतंकियों की चौथे दिन भी तलाश

शोपियां, 07 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां ज़िले में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के दो स्थानीय आतंकियों को पकड़ने के लिए चलाया जा रहा सर्च ऑपरेशन मंगलवार को चौथे दिन भी जारी रहा। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स (सीआरपीएफ) की कई टुकड़ियों की एक संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर रखी है। सुरक्षा बलों ने सोमवार शाम तक चार गांवों में तलाशी पूरी कर ली थी।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/पुल/कार्यशाला, उत्तर रेलवे, जालंधर छावनी के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ओपन ई-टेंडर को एकल पैकेट सिस्टम के तहत निमंत्रित किया गया है।

क्रम सं. 1: निविदा सं. : OT-18-JRC-2026
कार्य का विवरण : स्वीकृत ड्राइंग के अनुसार 3.05 मीटर से 12.20 मीटर लंबाई की प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (PSC) स्लैबों की ढलाई, ब्रिज वर्कशॉप, जालंधर कैंट के PSC यार्ड में करना।
अनुमानित लागत : रु. 3,22,92,668.52
धरोहर राशि : रु 6,45,900.00
खुलने की तिथि : 27.07.2026
IREPS पर बोली लगाने की तिथि : 13.07.2026 से 27.07.2026
निविदा फार्म की लागत रुपये : 0
कार्य समापन का समय : 12 महीने
निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय : प्रत्येक के खिलाफ दिखाए गए तिथियों पर 15:00 बजे तक और उसी समय 15:00 बजे के बाद।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और डाउनलोड किया जा सकता है : विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

सं.: 80-W/30/Bridges/Invitation दिनांक: 04.07.2026 **2302/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कुलगाम में एग्रीस्टैक मॉड्यूल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कुलगाम, 07 जुलाई। उपायुक्त कुलगाम शहजाद आलम ने आज जिला सभागार एवं नए सम्मेलन कक्ष में आयोजित बैठक-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एग्रीस्टैक मॉड्यूल के क्रियान्वयन की समीक्षा की तथा इससे जुड़े फील्ड अधिकारियों की क्षमता वृद्धि पर जोर दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक आयुक्त राजस्व, गिरदावर, पटवारी तथा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य फील्ड अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान नामित मास्टर ट्रेनर काइमोह मोहम्मद जाकिर मीर ने एग्रीस्टैक मॉड्यूल पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। उन्होंने व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से डेटा प्रविष्टि एवं सत्यापन की पूरी प्रक्रिया, विशेष रूप से खेवट आधारित कार्यप्रणाली, को समझाया।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD
(R&B) ELECTRIC DIVISION JAMMU

NOTICE INVITING TENDER

e-NIT No.EDJ/ 52 of2026-2027 Dated 07-07-2026

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir e-tenders are invited on nion Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for each of the following works:-

S. No	Name of Work	Name of Division	Estimated Cost (`in lacs)	Cost of document (in `)	Earnest Money (in `)	Time Allowed for complete-on	Time and date of opening of tender	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	Supply Installation testing and commissioning of IP CCTV system at Directorate Office State Motor Garages New Plot Jammu.	PWD (R&B) Electric Division Jammu	30.66	600/-	61320/-	60 Days	17-07-2026 At or after (12 : 00 A.N	"A" Class Electrical Contractor/OEM Or their Authorized - Distributor/Dealers/System Integrators/Firms Fulfilling Eligibility Criteria.

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.inas per below schedule.

1	Date of Issue of Tender Notice	07-07-2026
2	Period of downloading of bidding documents	From 07-07-2026 to 16-07-2026, 4:00 P.M
3	Bid submission Start Date	07-07-2026
4	Bid Submission End Date	16-07-2026 up to 4:00 P.M
5	Pre Bid Meeting Date	xxxx at or after xxxxx in the Office of the Executive Engineer PWD (R&B) Electric Division Jammu
5	Date & time of opening of Technical Bids (Online)	17-07-2026 at or after 12:00 A.N in the Office of the Executive Engineer PWD (R&B) Electric Division Jammu
6	Date & time of opening of Financial Bids (Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed

1. Position of Administrative Approval = Accorded
2. Position of Technical Sanction = Accorded
3. Position of Funds = Awaited.

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work and NIT No. duly crediting to 0059 (Revenue) favouringExecutive Engineer PWD (R&B) Electric DivisionJammu. uploading a copy of treasury challan/receipt. The original instruments in respect of cost of documents, and relevant documents of L1 be submitted to the Executive Engineer PWD (R&B) Electric Division Jammu.at the time of allotment.
2. Bid Security Declaration should be kept in the Bid documents as per tendered.
3. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.in and conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bids of Responsive bidders shall be opened online in the Office of the Executive Engineer PWD (R&B) Electric DivisionJammu. The date for same shall be intimated separately.
4. The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.
5. The earnest money shall be forfeited, If :-

a) Any bidder/tenderer withdraws his bid/tender during the period of bid validity or makes any modifications in the terms and conditions of the bid.
b) Failure of Successful bidder to furnish the required performance security within specified time period after issue of letter of acceptance.
c) The L-1 Bidder shall have to deposit e-stamp paper of Rs. 100/- alongwith Agreement Form (As per Annexure "B") and other relevant documents with 7 days after issuance of allotment.

6. Instruction to bidders regarding e-tendering process.
6.1 Bidders are advised to download bid submission manual from the "Downloads" option as well as from "Bidders Manual Kit" on website www.jktenders.gov.into acquaint bid submission process.
6.2. To participate in bidding process, bidders have to get 'Digital Signature Certificate (DSC)' as per Information Technology Act-2000. Bidders can get digital certificate from any approved vendors.
6.3. The bidders have to submit their bids online in electronic format with digital Signature. No financial bid will be accepted in physical form.
6.4. Bids will be opened online as per time schedule mentioned above.
6.5. Bidders must ensure to upload scanned copy of all necessary documents mentioned in NIT and SBD with technical bid online.
6.6 That the Bidder is not a PRI member.
6.7 All the information and documents submitted by me are true and correct to the best of my knowledge and if found wrong the bidder shall be liable to face legal proceedings.

No :- EDJ/9385-94 Dated :-07-07-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Electric Division
Jammu

DIP/J-5238/26
Dtd: 7-7-2026

टीबी मुक्त भारत अभियान के लिए श्रम एवं रोजगार और रक्षा के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय की बैठक

नई दिल्ली, 07 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने टीबी मुक्त भारत अभियान के कार्यान्वयन में समन्वय मजबूत बनाने और समग्र सरकारी दृष्टिकोण द्वारा इसमें तेजी लाने के लिए मंगलवार को केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल, श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के साथ एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी बैठक की। प्रगति समीक्षा बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान को राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन में बदलने के लिए भारत की युवा शक्ति के इस्तेमाल की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा टीबी (तपेदिक) उन्मूलन के लिए सरकार और समाज के समग्र दृष्टिकोण के साथ प्रत्येक मंत्रालय, संस्था और हितधारकों द्वारा उनकी क्षमताओं और पहुंच के माध्यम से योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं, सामुदायिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों और सरकारी विभागों की सक्रिय भागीदारी जागरूकता बढ़ाने, शीघ्र निदान, उपचार के प्रति प्रतिबद्धता और रोगी सहायता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे टीबी मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य की तरफ बढ़ा जा सकेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय से बातचीत में मौजूदा टीबी मुक्त भारत टोली मॉडल को व्यापक बनाते हुए, अभियान में मेरा युवा भारत स्वयंसेवकों और नेशनल कैडेट कोर - एनसीसी कैडेटों की भागीदारी बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने मंत्रालय से जांच शिविर के लिए स्वयंसेवकों के नेतृत्व में इस कार्य को विस्तारित करने, स्वयंसेवकों को प्रमुख निक्षय मित्र के रूप में प्रशिक्षित करने वाले अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम मजबूत बनाने और स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में युवाओं के नेतृत्व में जागरूकता प्रयास गहन बनाने का भी अनुरोध किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने रक्षा मंत्रालय से सामुदायिक जागरूकता रैलियों, जांच शिविरों के लिए एकत्रीकरण, घरेलू संपर्क शिक्षा और टीबी रोगियों के लिए पोषण सहायता अभियानों में एनसीसी कैडेटों और रक्षा कर्मियों से निरंतर और विस्तारित समर्थन मांगा। साथ ही एनसीसी प्रशिक्षण शिविरों, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे विशेष अवसरों, साहसिक शिविरों और ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रमों में टीबी के प्रति जागरूकता कार्यक्रम शामिल करने का अनुरोध किया।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने अपने संबोधन में टीबी मुक्त भारत अभियान को और गति देने के लिए संस्थागत समन्वय और समन्वित कार्रवाई सुदृढ़ बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 6 लाख स्नातक चिकित्सा छात्रों और लगभग 2 लाख स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों का प्रशिक्षित मानव संसाधन भंडार है, जिन्हें इस अभियान में देश भर के मेडिकल कॉलेजों के माध्यम से सार्थक रूप से शामिल किया जा सकता है। डॉ. मांडविया ने जिला स्तर पर समन्वय प्रभावी बनाने के लिए, प्रतिभा सेतु कार्यक्रम के उम्मीदवारों को जिला टीबी समन्वय समिति में उपयुक्त रूप से शामिल किये जाने का सुझाव दिया। दिसंबर 2024 में आरंभ टीबी मुक्त भारत अभियान से तपेदिक के सक्रिय मामलों का पता लगाने, मरीज़ों को बेहतर स्वास्थ्य सहायता और समग्र सरकारी दृष्टिकोण द्वारा भारत के तपेदिक उन्मूलन के प्रयास में काफी तेज़ी आई है।टीबी मुक्त भारत अभियान आरंभ होने के बाद से, देश भर में 28 करोड़ से अधिक टीबी की आशंका वाले व्यक्तियों की जांच की गई, जिसमें 39 लाख से अधिक टीबी मरीज़ों की पहचान हुई।

संपादकीय

अवैध घुसपैठ पर सख्त कार्रवाई

अवैध घुसपैठ अब केवल सीमा प्रबंधन का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, जनसांख्यिकीय संतुलन, आर्थिक संसाधनों और शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ी एक जटिल चुनौती बन चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) की उच्चस्तरीय बैठक बुलाने का केंद्र सरकार का निर्णय इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाता है। इस चुनौती से निपटने के लिए समन्वित राष्ट्रीय रणनीति समय की आवश्यकता है।

हालांकि अवैध घुसपैठ देश के कई हिस्सों को प्रभावित करती है, लेकिन जम्मू क्षेत्र लंबे समय से विशेष रूप से रोहिंग्या अवैध प्रवासियों की मौजूदगी के कारण चिंता का विषय रहा है। वर्षों के दौरान जम्मू शहर और आसपास के जिलों में इनके बड़े-बड़े ठिकाने विकसित हुए हैं। आधिकारिक एजेंसियों का कहना है कि कड़ी सीमा निगरानी और मजबूत खुफिया तंत्र के कारण नई घुसपैठ पर काफी हद तक रोक लगी है, लेकिन हजारों अवैध प्रवासियों की लगातार मौजूदगी अब भी गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है।

यह समस्या केवल बिना अनुमति देश में प्रवेश तक सीमित नहीं है। अवैध प्रवासी अक्सर ऐसे संगठित नेटवर्क का हिस्सा बन जाते हैं जो सीमा पार कराने, आश्रय उपलब्ध कराने, परिवहन की व्यवस्था करने, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और उन्हें समाज में घुलने-मिलने में मदद करते हैं। ऐसे नेटवर्क कानून के शासन को कमजोर करते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इनकी मौजूदगी आंतरिक सतर्कता और प्रशासनिक जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

वर्षों से सामने आई रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि कई अवैध प्रवासी पहचान पत्र बनवाने, बैंक खाते खोलने और सार्वजनिक सुविधाओं का लाभ लेने में सफल रहे। इससे सत्यापन प्रणाली की खामियां उजागर होती हैं और संस्थागत सुरक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर पड़ता है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि कुछ व्यक्ति और संगठित गिरोह कथित रूप से फर्जी दस्तावेज और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर अवैध बसावट से आर्थिक लाभ कमाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित होने और संवेदनशील सुरक्षा परिस्थितियों के कारण जम्मू में यह मुद्दा और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यह क्षेत्र दशकों से आतंकवाद और सीमा पार घुसपैठ का सामना करता रहा है। ऐसे में बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों की मौजूदगी स्वाभाविक रूप से वैध सुरक्षा चिंताओं को जन्म देती है, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कानून लागू करते समय वास्तविक भारतीय नागरिकों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव या अन्याय न हो।

प्रस्तावित राष्ट्रीय स्तर की बैठक अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए एक समान व्यवस्था विकसित करने, जहां लागू हो वहां निर्वासन की कानूनी प्रक्रिया में तेजी लाने तथा अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने वाले वित्तीय और लॉजिस्टिक नेटवर्क को ध्वस्त करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। इसके लिए खुफिया एजेंसियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सीमा सुरक्षा बलों और वित्तीय जांच एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय अत्यंत आवश्यक होगा।

भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा करने और कानून के शासन को बनाए रखने का पूरा अधिकार ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। संवेदनशील परिस्थितियों में फंसे लोगों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण बनाए रखते हुए अवैध घुसपैठ और उसे बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई समान रूप से आवश्यक है। चुनौती केवल घुसपैठ रोकने की नहीं, बल्कि उस समानांतर तंत्र को समाप्त करने की भी है जो अवैध गतिविधियों को संरक्षण और प्रोत्साहन देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए कानून आधारित, समन्वित और निर्णायक कार्रवाई ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

मूल्य श्रृंखला का जुड़ाव- पीएम मित्र पार्क के ज़रिए कैसे भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

श्री पबित्रा मार्गेरिटा

इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे ज़रूरी बात यह है कि इस नज़दीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी मुमकिन हो पाती है। चूँकि वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चेन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजीनियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है।

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपीमें 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13% और निर्यात में 12% का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुईव्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुज़रता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मज़दूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया।

इसके साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है।

वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8% से 10% और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20त्न है। हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है।

इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएममेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए ?4,445 करोड़ का बजट रखा गया। यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है।

इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी 5एफ फ़ॉर्मूला है यानी फ़ार्म (खेत) से फ़ाइबर (रेशा) से फ़ैक्टरी (कारखाना) से फ़ैशन और फारेन (विदेश) तक पहुंच। यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती है- हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रंखला। कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई-फ़ैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है। इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की ज़रुरत है। विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे। पीएम मित्र फ़्रेमवर्क इसी संतुलन को हासिल करता है।

इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे ज़रूरी बात यह है कि इस नज़दीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी मुमकिन हो पाती है। चूँकि वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चेन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजीनियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है।

1,000 एकड़ से ज्यादा के एक ही इलाके में कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग और कपड़ा बनाने की सुविधाओं को एक साथ लाने से अलग-अलग राज्यों के बीच सामान ले जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है। इससे माल ढुलाई का खर्च और ट्रांसपोर्ट से होने वाला प्रदूषण भी बहुत कम हो जाता है और सामान तेज़ी से बाज़ार तक पहुँच पाता है। समर्पित माल गलियारे और एक्सप्रेसवे जैसे राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से जुड़े होने के कारण, विदेशी बाज़ारों तक सामान पहुँचाना बहुत सस्ता और किफायती हो जाता है। हर पार्क में प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, जिसमें बिजली के खास सब-स्टेशन, लगातार पानी की सप्लाई और तुरंत इस्तेमाल के लिए तैयार फैक्ट्री शेड जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसके साथ ही, ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ज़ेडएलडी) तकनीक वाले उन्नत एडवांस्ड कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और आधुनिक सुविधाएँ भी होती हैं, जिससे कारोबारियों पर ढांचागत बोझ कम पड़ता है और कारोबार करने में आसानी होती है।

पीएम मित्र पार्क तेज़ी से कागज़ी योजनाओं को असल ज़मीनी हकीकत में बदल रहे हैं। इस योजना में सात रणनीतिक पार्क शामिल हैं- पाँच ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट विरुधुनगर (तमिलनाडु), नवसारी (गुजरात), कलबुर्गी (कर्नाटक), धार (मध्य प्रदेश) और लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और दो ब्राउनफील्ड डेवलपमेंट वारंगल (तेलंगाना) और अमरावती (महाराष्ट्र) में। अब तक, इस योजना में कुल 69,899 करोड़ के निवेश की दिलचस्पी दिखाई गई है, जिसमें से 27,658 करोड़ का निवेश पहले ही हो चुका है।

10 मई, 2026 को माननीय प्रधानमंत्री नेतेलंगाना के वारंगल में पहले कार्यरत पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया।

इस पार्क में पहले ही ?3,862 करोड़ का निवेश हो चुका है और यहाँ विश्व-स्तरीय पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढ़ांचे पर काम किया जा रहा है। ये विशेषताएँ स्थायित्व के उन मानकों को दर्शाती हैं, जिन्हें सभी सात पार्क साइटों पर स्थापित किया जा रहा है।

पूरे देश में एक साथ काम शुरू होने से सहकारी संघवाद की तेज़ी और सफलता दोनों साफ दिखती है, जहां सभी सात राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, 100त्न ज़मीन का अधिग्रहण हो चुका है और पर्यावरण से जुड़ी मंजूरी भी मिल गई है। पाँच ग्रीनफ़ील्ड साइट्स के लिए जेवीएग्रीमेंट और एसपीवी पूरी तरह से तैयार हैं, जिससे तेज़ी से काम आगे बढ़ रहा है। 2,158 एकड़ में फैले सबसे बड़े पार्क, धार (मध्य प्रदेश) में 21,436.9 करोड़ के निवेश में दिलचस्पी दिखाई गई है। इसी तरह गुजरात (13,084 करोड़), महाराष्ट्र (12,925 करोड़), तमिलनाडु (6,600 करोड़), उत्तर प्रदेश (5,345.8 करोड़) और कर्नाटक (1,700 करोड़) में भी काम को लेकर तेज़ी देखी गई है। तेज़ी से हो रहे इस काम के पीछे केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह का सक्रिय नेतृत्व है। उनके कुशल नेतृत्व में वस्त्र मंत्रालय अपने कामकाज के तरीकों में तेज़ी लाया है, मंत्रालय ने प्रशासनिक रुकावटों को दूर किया है और राज्य सरकारों के साथ अभूतपूर्व स्तर पर आपसी सहयोग को बढ़ावा दिया है।

लेकिन आंकड़े तो कहानी का सिर्फ एक हिस्सा बताते हैं, असली पैमाना इसके मानवीय प्रभाव में दिखता है। प्रत्येक पार्क को संरचनात्मक रूप से इस प्रकार तैयार किया गया है कि इससे लगभग 3 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

यानी सभी सात स्थलों को मिलाकर, 21 लाख से अधिक औपचारिक आजीविकाएं हैं, जो हमारे ग्रामीण परिवारों और महिलाओं को अहम सामाजिक-आर्थिक नींव प्रदान करती हैं, जो पारंपरिक रूप से परिधान निर्माण उद्योग की रीढ़ हैं।

यह व्यापक ढ़ांचागत प्रयास वस्त्र क्षेत्र के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण2030 के लिए एक अहम लॉन्चपैड का काम करता है, जिसका लक्ष्य इस दशक के अंत तक भारत के वस्त्र उद्योग को 350बिलियन डॉलर की वैश्विक महाशक्ति में बदलना है। ऐतिहासिक विखंडन को विश्व स्तरीय, एकीकृत पैमाने से बदलकर करके, पीएम मित्र एक बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन ला रहा है। सशक्त नेतृत्व के मार्गदर्शन में, हम भारत को वस्त्रों के निर्विवाद, टिकाऊ और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी केंद्र के तौर पर स्थापित कर रहे हैं।

***

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।)

वायुमण्डलीय ट्रैफिक जाम की चपेट में यूरोप

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बात अचरज भरी लग सकती है पर सही मायने में देखा जाए तो यूरोप जिस तरह हीटवेव की चपेट में आया है, उसका बड़ा और प्रमुख कारण वायुमण्डलीय ट्रैफिक जाम है। यूरोपीय देश गंभीर हीटवेव की चपेट में हैं। इस तरह की हीटवेव का कारण ओमेगा ब्लॉक की स्थिति होती है। यूरोप के वायुमण्डल में हीट डोम बनने के कारण ऐसा हुआ है।

मौसम विज्ञानियों का मानना है कि सामान्य रुप से हवाएं पश्चिम से पूर्व की ओर बहते हुए आगे बढ़ती है।

ओमेगा ब्लॉक की स्थिति में हवाएं उत्तर और दक्षिण की ओर मुड़कर ग्रीक शब्द ओमेगा का आकार बना लेती है और इस तरह वायुमण्डल में ट्रैफिक जाम के हालात हो जाते हैं। इससे आसमान साफ हो जाता है, गर्म हवाएं क्षेत्र विशेष में फंस जाती है और सूरज की किरणें सीधे उस इलाके में पड़ने लगती है। यह स्थिति तेज गर्मी और उसके असर के रूप में सामने आती है। इसी वजह से हीटवेव का असर अधिक हो जाता है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि सामान्यतः यह हालात दो-तीन दिन या सप्ताह तक रह सकते हैं पर इस बार यूरोप में यह दौर लंबा चला। इससे इंग्लैण्ड, फ्रांस, इटली, जर्मनी सहित यूरोप के करीब 23 देश प्रभावित हैं।

आस्ट्रेलियाई नेशनल यूनिवर्सिटी और सिडनी यूनिवर्सिटी की नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार वैज्ञानिकों ने छह बड़े हीटवेवों का अध्ययन किया है। जलवायु परिवर्तन, नमी बढ़ने, गगनचुंबी इमारतों में तापमान रोधक सामग्री का उपयोग ना के बराबर होने और सुविधा के नाम पर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के अत्यधिक उपयोग से वातावरण प्रभावित हो रहा है। सामान्यतः यह माना जाता है कि अधिक गर्मी बच्चों-बुजुर्गो के लिए जानलेवा हो जाती है पर इस बार की हीटवेव अपना रौद्र रुप दिखा रही है। दरअसल, यूरोपवासी इतनी गर्मी के आदी भी नहीं हैं। इसके साथ हीटवेव का असर इतना अधिक है कि शरीर स्वयं अपने आपको तापमान अनुकूल नहीं बना पा रहा है।

यूरोप में हीटवेव के चलते हालात इतने खराब हो गए कि सड़कों की डामर पिघल गई, रेल की पटरियां टेड़ी-मेड़ी हो गई। इससे हालात की गंभीरता को समझा जा सकता है। इसके कारण यातायात तक बाधित हो गया है। हीटवेव के कारण जंगलों में आग के समाचार आम हो रहे हैं तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालात के चलते चेतावनी जारी की है। यूरोपीय देशों में तापमान 40 सेल्सियस से अधिक पहुंच गया और इससे जनजीवन बुरी तक प्रभावित हो गया है। देखा जाए तो यूरोप का मौसम संतुलन बिगड़ गया है।

प्रकृति के साथ अत्यधिक छेड़छाड़ का परिणाम समूचा विश्व भुगत रहा है। तापमान में बढ़ोतरी वैश्विक है पर यूरोप में इस बार हीटवेव के हालात अधिक गंभीर हो गये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो हीटवेव के कारण यूरोप में एक तरह से हेल्थ इमरजेंसी के हालात बन गए और तेज गर्मी के कारण मौसम जनित बीमारियों और हीटवेव की चपेट में आने से बड़ी संख्या में लोगों को जीवन से हाथ धोना पड़ा है। प्रकृति की नाराजगी का असर अब गंभीरता से सामने आ रहा है।

जनजीवन जहां अस्त-व्यस्त हो रहा है, वहीं विश्लेषकों की मानें तो यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्था पर आज के हालात में 11 लाख करोड़ का असर पड़ने की आशंका है, वहीं साल 2030 तक यूरोप को 61 लाख करोड़ का नुकसान भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

सीधी-सी बात है कि यह प्राकृतिक प्रकोप एक दिन की देन नहीं है। हालात को देखते हुए यूरोपीय देशों में एयर कण्डीशनर जैसे उपकरणों की अत्यधिक मांग बढ़ी है। यहां तक कि इंग्लैण्ड में 300 फीसदी से अधिक तो फ्रांस में हजार फीसदी तक मांग बढ़ गई है। इसके साथ तापमान नियंत्रित करने वाले अन्य उपकरण फ्रीज आदि की मांग बढ़ी है। हीटवेव का असर जहां सीधे तौर पर स्वास्थ्य पर पड़ता है वहीं, पूरी इकोनॉमी को तहस-नहस करने या प्रभावित करने में हीटवेव की भूमिका रहती है। स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने के साथ हीटवेव के कारण हालात सबकुछ ठहर जाने जैसे हो जाते हैं।

ऐसा नहीं है कि ओमेगा ब्लॉक पहली बार बन रहे हों बल्कि ओमेगा ब्लॉक पहले भी बनते रहे हैं पर एक ओर जिस तरह धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है और जिस तरह ग्लेशियरों की पिघलने की गति तेज हुई और प्रदूषण का स्तर दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है उसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। अब ओमेगा ब्लॉक की अवधि बढ़ती जा रही है। इसका प्रभाव पहले से अधिक गंभीर रहा है। ऐसे में कहीं-ना-कहीं गंभीर प्रयास करने होंगे ताकि इस तरह के हालात ना हो। हमें इस तरह के हालात बनाने होंगे जो प्रकृति अनुकूल हो। अन्यथा पृथ्वी पर जीवन को ही संकट में डालने की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह मानव सभ्यता के लिए गंभीर चुनौती से कम नहीं है। वैज्ञानिक तो यहां तक कहने लगे हैं कि भविष्य में दो से तीन डिग्री तापमान में बढ़ोतरी भी गंभीर संकट वाली होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वैश्विक पटल पर चमकती भारत की शिल्प विरासत

-ओ.पी. पाल

भारत की धरती केवल विविधताओं का देश नहीं बल्कि यह सदियों पुरानी कला, संस्कृति और शिल्प कौशल का जीवंत कोलाज भी है। कश्मीर के पहाड़ों में बुनी जाने वाली पश्मीना शॉल से लेकर दक्षिण के तटीय इलाकों में पहने जाने वाले मुंडू वस्त्रों तक, बनारस की गलियों की हथकरघा मशीनों से लेकर मध्य प्रदेश के चंदेरी सिल्क तक भारत का हर कोना अपनी विशिष्ट कलात्मक पहचान रखता है। लेकिन, इस बदलते युग में आधुनिक, गतिशील और डिजिटल हो रहे बाज़ार में इन पारंपरिक शिल्पों के सामने जगह बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती थी। इसी चुनौती को अवसर में बदलने और भारत के ग्रामीण व दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लाखों कारीगरों को आधुनिक अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए इंडिया हैंडमेड डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत की गई, जो आज भारत की समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं के लिए मजबूत डिजिटल इंडिया ब्रिज बन चुका है बल्कि यह वैश्विक स्तर पर देश के आर्थिक सशक्तिकरण की एक नई पटकथा भी लिख रहा है।

साल 2023 में लॉन्च हुआ यह मंच भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित यह समर्पित ई-कॉमर्स पोर्टल है, जो हमारी पारंपरिक विरासत को संरक्षित कर रहा है। इंडिया हैंडमेड न केवल भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित कर रहा है, बल्कि करीब 65 लाख शिल्पी कारीगरों को व्यापक बाजार देकर आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया के विजन को भी मजबूत कर रहा है।

'इंडिया हैंडमेड' पोर्टल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के नारे को धरातल पर सच करता नजर आ रहा है। यह मंच केवल आर्थिक लेन-देन की जगह नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का भी मजबूत उपकरण है। जब दुनिया के किसी दूसरे कोने में बैठा व्यक्ति इस पोर्टल से कोई हस्तनिर्मित वस्तु खरीदता है तो वह केवल उत्पाद नहीं खरीद रहा होता बल्कि वह उस भारतीय कारीगर की उंगलियों के जादू, उसकी पीढ़ियों की विरासत और भारत की मिट्टी की कहानी को अपने घर ले जा रहा होता है। जैसे-जैसे हम डिजिटल युग में आगे बढ़ रहे हैं, इंडिया हैंडमेड यह सुनिश्चित कर रहा है कि हमारी प्राचीन कलाएं और तकनीकें पीछे न छूट जाएं।

यह मंच आधुनिकतम ई-कॉमर्स तकनीक और प्राचीनतम मानवीय कौशलों का अद्भुत और सफल संगम है। यह हमारे बुनकरों और शिल्पकारों को केवल जीवित रहने का साधन नहीं दे रहा बल्कि उन्हें सम्मान, वैश्विक पहचान और समृद्धि का नया आसमान दे रहा है। इंडिया हैंडमेड के माध्यम से भारत की यह अनमोल विरासत न केवल सुरक्षित है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए निरंतर आजीविका, नवाचार और गौरव का शाश्वत स्रोत बनकर चमक रही है। प्रत्येक भारतीय और वैश्विक नागरिक के लिए इस मंच से जुड़ना भारत की आत्मा और उसकी कलात्मक धड़कन से जुड़ने जैसा है।

आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का अनूठा मॉडल

भारत का हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र, कृषि के बाद देश में रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। वस्त्र मंत्रालय के वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 64.66 लाख हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगर हैं। मसलन देश में 71 प्रतिशत हथकरघा बुनकरों में 64 प्रतिशत महिलाओं की अभूतपूर्व भागीदारी इस क्षेत्र की सबसे खूबसूरत और मजबूत सामाजिक संरचना है। यानी जब एक ग्रामीण महिला बुनकर के बनाए उत्पाद को वैश्विक मंच मिलता है तो वह न केवल आर्थिक रूप से स्वतंत्र होती है बल्कि अपने पूरे परिवार और समुदाय की सामाजिक स्थिति को भी बदल देती है। यही एक सशक्तिकरण और समावेशी विकास का सबसे बड़ा माध्यम है। यह एक ऐसा ई-कॉमर्स पोर्टल है जो पूरी तरह से मेड इन इंडिया और हैंडमेड (हाथ से बने) उत्पादों के लिए समर्पित है। यहाँ मशीनी या कृत्रिम रूप से तैयार उत्पादों की कोई जगह नहीं है, जिससे हस्तनिर्मित कला की शुद्धता और प्रामाणिकता बनी रहती है। इंडिया हैंडमेड के माध्यम से अब कारीगर सीधे देश-विदेश के खरीदारों से जुड़ते हैं, जिससे उन्हें अपनी मेहनत का उचित और पारदर्शी मुआवजा मिलता है। एक छोटे से गांव में रहने वाले हुनरमंद शिल्पकार के पास पहले केवल स्थानीय मेलों या हाट-बाजारों तक ही पहुंच होती थी। लेकिन इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उनके उत्पादों को एक क्लिक पर करोड़ों ग्राहकों के सामने प्रदर्शित किया जाता है, जिससे उनकी बाजार सीमाएं असीमित हो गई हैं।

क्षेत्रीय शिल्पों को अंतरराष्ट्रीय पहचान

इंडिया हैंडमेड की एक सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह रोजमर्रा के उत्पादों के साथ-साथ भारत की विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान वाले शिल्पों को एक वीआईपी स्थान देता है। इसके तहत दो प्रमुख सरकारी पहलों को इस मंच पर विशेष रूप से एकीकृत किया गया है, जिसमें जीआई-टैग और ओडीओपी शामिल है। जीआई-टैग किसी उत्पाद की उस विशिष्ट गुणवत्ता, प्रतिष्ठा और विशेषताओं को प्रमाणित करता है जो मुख्य रूप से उसके भौगोलिक उद्गम के कारण होती हैं।

इंडिया हैंडमेड पर खरीदार देश के कोने-कोने के प्रामाणिक जीआई उत्पादों को खरीद सकते हैं। इनमें उत्तराखंड की ऐपन कला, कश्मीर की सबसे नरम और बेशकीमती शुद्ध पश्मीना शॉल, केरल के पारंपरिक सूती वस्त्रों में शुमार मुंडू उत्पाद, यूपी के वाराणसी रेशमी बुनाई के लिए विश्व प्रसिद्ध बनारसी साड़ी (सिल्क उत्पाद), गोरखपुर व अन्य क्षेत्र के मिट्टी से बनी जीवंत मूर्तियां और घरेलू सजावट के सामान टेराकोटा उत्पाद, मध्य प्रदेश की चंदेरी सिल्क, पश्चिम बंगाल की बारीक सूती बुनाई और हाथ से तैयार तंगेल साड़ी और झारखंड/बिहार के प्राकृतिक सुनहरे रंग और अनूठे टेक्सचर जैसे उत्पाद भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'एक जिला एक उत्पाद' का हिस्सा बन चुके हैं।

छोटे विक्रेताओं के लिए समावेशी नीतियां

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे अत्यंत कुशल कारीगर हैं जो बहुत छोटे स्तर पर काम करते हैं और उनके पास जीएसटी पंजीकरण नहीं होता। डिजिटल व्यापार में उनके प्रवेश को आसान बनाने के लिए इंडिया हैंडमेड ने एक बेहद प्रगतिशील नियम लागू किया है। वहीं, विशेष नामांकन आईडी सुविधा के तहत छोटे कारीगर या बुनकर जीएसटी पंजीकृत से छूट दी गई है। वे एक साधारण नामांकन आईडी के साथ खुद को इस पोर्टल पर पंजीकृत कर सकते हैं। इसके तहत उन्हें अपने गृह राय के भीतर ऑनलाइन सामान बेचने की अनुमति मिलती है। यह कदम देश के सबसे निचले स्तर पर बैठे शिल्पकार को भी डिजिटल कॉमर्स की ताकत से जोड़ता है।

डिजिटल क्रांति की प्रेरक कहानियां

देश में इंडिया हैंडमेड जैसे इस मंच के माध्यम से कई शिल्प समूहों और सूक्ष्म उद्यमों की किस्मत बदली है, जो किसी प्रेरक कहानियों से कम नहीं हैं। एक नजर में देखा जाए तो जहां सैंटर्म्स जैसी पहल के तहत लकड़ी की सुंदर नक्काशीदार सजावट, सुगंधित मोमबत्तियां, कलात्मक टेराकोटा दीये, संगमरमर की मूर्तियां और शानदार हथकरघा साड़ियां जैसी हस्तनिर्मित शिल्पों की गर्माहट को हमारे रोजमर्रा के आधुनिक जीवन का हिस्सा बना रही है। इसी प्रकार बांस और बेंत को नया जीवन देने की दिशा में खासतौर से उत्तर-पूर्व और भारत के विभिन्न हिस्सों में बांस और बेंत के काम की एक समृद्ध परंपरा रही है।

दस्तकार क्राफ्ट इस मंच के जरिए 500 से अधिक स्थानीय कारीगरों के हुनर को सीधे वैश्विक बाजार में ले आया है। इसके अलावा विलेज क्राफ्ट को आगे बढ़ा रहे कुशल कारीगरों द्वारा बेहद प्यार और सावधानी से बनाए गए सूती तौलिए, पारंपरिक गमछे और आरामदायक बेडशीट इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी विरासत केवल खास मौकों पर सजाने के लिए नहीं बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को आराम और गुणवत्ता देने के लिए भी उतनी ही प्रासंगिक है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम घोषित, खराब फॉर्म के चलते संजू सैमसन बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे पर भारतीय टीम तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। श्रेयस अय्यर को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। तीनों मुकाबले हरारे में 23, 25 और 26 जुलाई को खेले जाएंगे। सबसे बड़ी चर्चा विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को टीम से बाहर किए जाने को लेकर है। हालिया टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में जगह नहीं दी। संजू सैमसन का हालिया टी-20 रिकॉर्ड बेहद निराशाजनक रहा है। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 श्रृंखला में वह केवल 5 रन ही बना सके, जबकि भारत को 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 में भी वह सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। लगातार खराब प्रदर्शन के चलते उन्हें 5 जुलाई को खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले की प्लेइंग इलेवन से भी बाहर कर दिया गया था। अब चयनकर्ताओं ने उन्हें जिम्बाब्वे दौरे की टीम में भी शामिल नहीं किया है।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उपकप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव और प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय दल तैयार, आईओए नई दिल्ली में देगा विदाई

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 23 जुलाई से 2 अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना हो रहे भारतीय दल को नई दिल्ली में औपचारिक विदाई देगा। इस समारोह में 10 खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 124 खिलाड़ियों का सम्मान किया जाएगा। भारतीय दल की अगुवाई ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू, डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर और मुक्केबाजी की ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन करेंगे। इस बार भारतीय दल में सक्षम खिलाड़ियों के साथ-साथ पैरा खिलाड़ी भी शामिल हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के इस संस्करण में प्रतियोगिताएं सीमित खेलों में आयोजित होंगी, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने इसके लिए कड़ी तैयारी की है और उनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

हॉकी इंडिया ने सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय शिविर के लिए चयनित किये 15 खिलाड़ी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने ओमान के मस्कट में 20 से 25 जुलाई तक होने वाली पहली पुरुष यूथ हॉकी-5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 की तैयारियों के लिए सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए 15 खिलाड़ियों के नाम घोषित कर दिए हैं। यह राष्ट्रीय शिविर 7 से 18 जुलाई तक पंजाब विश्वविद्यालय, सेक्टर-14, चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और मुख्य कोच सरदार सिंह की देखरेख में युवा खिलाड़ी हॉकी-5एस प्रारूप की विशेष तकनीक और रणनीति का प्रशिक्षण लेंगे। शिविर में शामिल सभी 15 खिलाड़ी हाल ही में संपन्न अंडर-18 पुरुष एशिया कप 2026 में भारतीय टीम का हिस्सा थे। भारत ने फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। हॉकी इंडिया का मानना है कि यह शिविर देश के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करने और उन्हें भविष्य में जूनियर तथा सीनियर भारतीय टीम तक पहुंचाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा। दो सप्ताह तक चलने वाले इस शिविर में खिलाड़ियों को हॉकी-5एस प्रारूप की तकनीकी और सामरिक बारीकियों से परिचित कराया जाएगा। साथ ही उनके खेल के मूलभूत कौशल को भी और मजबूत किया जाएगा।

अल्टीमेट टेबल टेनिस सीजन-7 में पहली बार होगा एआई आधारित रिव्यू सिस्टम का इस्तेमाल

नई दिल्ली। अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के सातवें सीजन में पहली बार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित टेबल टेनिस रिव्यू (टीटीआर) सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। गोवा में 9 से 26 जुलाई 2026 तक होने वाले इस टूर्नामेंट के सभी मुकाबलों में यह नई तकनीक लागू रहेगी। आयोजकों में सोमवार को बताया कि यह एआई आधारित रिव्यू सिस्टम विवादित अंपायरिंग फैसलों की 20 सेकंड से भी कम समय में साक्ष्य आधारित समीक्षा करेगा। इसे विशेष रूप से टेबल टेनिस की तेज रफ्तार और जटिल परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। यह तकनीक छह प्रमुख अंपायरिंग स्थितियों की समीक्षा करेगी। इनमें सर्विस के दौरान गेंद उछालने की ऊंचाई, उछाल का कोण, गेंद का टेबल की सतह से नीचे उछलना, खेल क्षेत्र के अंदर या बाहर उछाल, सर्विस के दौरान गेंद का छिपना और टेबल के किनारे पर गेंद लगने (एज बॉल) से जुड़े फैसले शामिल हैं। रिव्यू सिस्टम के लिए कोर्ट के चारों ओर 14 से 15 हाई-स्पीड सिंक्रोनाइज्ड कैमरे लगाए जाएंगे, जो गेंद की गति, सर्विस की तकनीक और टेबल पर गेंद के संपर्क बिंदु को अलग-अलग कोणों से रिकॉर्ड करेंगे। इसके बाद एआई इंजन इन आंकड़ों का विश्लेषण कर कुछ ही सेकंड में दृश्य प्रमाण तैयार करेगा, जिससे मैच अधिकारियों को सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इस तकनीक का उपयोग केवल अंपायरों तक सीमित नहीं रहेगा। इसे लाइव प्रसारण से भी जोड़ा जाएगा।

प्रो बॉक्सिंग लीग : तालकटोरा स्टेडियम में आज से दिखेगा मुक्केबाजों का दम

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (आईएबीएफ) की प्रो बॉक्सिंग लीग का भव्य उद्घाटन तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में हुआ। अब आज यानि मंगलवार से तालकटोरा स्टेडियम में लीग के मुकाबलों का रोमांच शुरू होगा, जिसमें देशभर के उभरते मुक्केबाज चार फ्रेंचाइज़ी टीमों की ओर से रिंग में उतरेंगे। आईएबीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि यह लीग भारतीय मुक्केबाज़ी को नई पहचान देने के साथ-साथ वर्ष 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखकर नई प्रतिभाओं को तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह प्रदर्शन और प्रतिभा

के आधार पर किया गया है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उद्घाटन समारोह में कहा कि प्रो बॉक्सिंग लीग भारतीय बॉक्सिंग के लिए नया अध्याय साबित होगी और इसके माध्यम से खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। आईएबीएफ के महासचिव राकेश ठाकरान ने बताया कि प्रतियोगिता 10 जुलाई तक प्रतिदिन आयोजित होगी। लीग के मुकाबलों का सीधा प्रसारण दूरदर्शन स्पोर्ट्स, जियोहॉटस्टार और अन्य डिजिटल मंचों पर किया जाएगा।

दर्शकों के लिए टिकट बुकमायशो के माध्यम से उपलब्ध हैं। आयोजन समिति के अनुसार खिलाड़ियों के आवास, भोजन, परिवहन और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। प्रतियोगिता के दौरान दिल्ली-एनसीआर के विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है, ताकि युवाओं में मुक्केबाज़ी के प्रति रुचि बढ़ाई जा सके।

फीफा विश्व कप 2026: स्पेन ने पुर्तगाल को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

डलास स्टेडियम, आर्लिंग्टन। स्पेन ने रोमांचक मुकाबले में पुर्तगाल को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच का इकलौता और निर्णायक गोल स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने स्टॉपेज टाइम में किया। इस हार के साथ महान फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के विश्व कप करियर का भी अंत हो गया। पूरा मुकाबला बेहद कड़ा और संतुलित रहा। दोनों टीमों के बीच 90 मिनट तक कोई गोल नहीं हो सका और मैच अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन 91वें मिनट में स्पेन ने शानदार रणनीति का परिचय देते हुए जीत दर्ज कर ली। मैदान पर उतरने के कुछ ही मिनट बाद मिकेल मेरिनो ने अपनी सूझबूझ का बेहतरीन प्रदर्शन किया। फाउल मिलने के बाद उन्होंने बिना समय गंवाए खेल दोबारा शुरू किया, आगे बढ़कर बॉक्स में जगह बनाई और फेरान टोरेस के सटीक पास को गोल में बदल दिया। यह गोल अंततः स्पेन की जीत का कारण बना। स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते का मेरिनो को 85वें मिनट में मैदान पर उतारने का फैसला पूरी तरह सफल साबित हुआ। चोटों से जूझने के बावजूद मेरिनो ने इस विश्व कप में अपनी उपयोगिता साबित कर दी।स्पेन ने 2010 में विश्व कप जीतने के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। टीम की सफलता में उसके मजबूत रक्षा पंक्ति की भी अहम भूमिका रही। गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक बिना गोल खाए नया रिकॉर्ड कायम किया, जबकि स्पेन विश्व कप इतिहास में लगातार छह क्लीन शीट रखने वाली पहली टीम बन गई।

फीफा विश्व कप 2026: नस्लीय टिप्पणी पर भड़के एमबाप्पे, पैराग्वे की सीनेटर को बताया 'घृणित महिला'

एजेंसी

मियामी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में फ्रांस की जीत के बाद पैराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला द्वारा की गई नस्लीय टिप्पणी पर फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। एमबाप्पे ने सीनेटर को घृणित महिला बताते हुए कहा कि वह अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के योग्य नहीं हैं। इस विवाद के बाद फ्रांसीसी फुटबॉल महासंघ (एफएफएफ), पैराग्वे सरकार, फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय और पैराग्वे की संसद ने भी अमारिला के बयान की कड़ी निंदा की है। राउंड ऑफ-16 मुकाबले में एमबाप्पे के पेनाल्टी गोल की बदौलत फ्रांस ने पैराग्वे को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

मैच के बाद अमारिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एमबाप्पे के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करते हुए उन्हें कैमरून मूल का उपनिवेशित व्यक्ति, जो खुद को फ्रांसीसी साबित करने की कोशिश कर रहा है और जंगली तक कह दिया। उन्होंने यह भी लिखा कि पैराग्वे के खिलाड़ियों को मैच के बाद एमबाप्पे को थप्पड़ मार देना चाहिए था। एमबाप्पे ने सोशल मीडिया पर इसका जवाब देते हुए लिखा, सेलेस्टे अमारिला, आप एक घृणित महिला हैं और अपने पद के योग्य नहीं हैं। आप उस पैराग्वे का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं जिसने पूरे विश्व कप में जुनून और सम्मान के साथ खेला। उन्होंने आगे कहा,आपकी लापरवाही और खुलेआम किए गए नस्लवाद की वजह से दुनिया अब आपके खिलाड़ियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन को भूलकर एक अयोग्य महिला को याद कर रही है, जिसने अपने देश की सबसे खराब छवि पेश की है। मैं कभी भी ऐसे लोगों को दुनिया में नफरत और नस्लवाद फैलाने की आजादी नहीं दूंगा। फ्रांसीसी फुटबॉल महासंघ (एफएफएफ) ने इस मामले को गंभीर बताते हुए आपराधिक शिकायत दर्ज कराने की घोषणा की।

महासंघ ने कहा,ये टिप्पणियां पूरी तरह घृणित, अस्वीकार्य और आपराधिक हैं। इन पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। हम इस मामले को अभियोजन कार्यालय के पास भेज रहे हैं ताकि कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा सके। एफएफएफ ने आगे कहा,ऐसी टिप्पणियां न केवल उन्हें शर्मसार करती हैं जिन्होंने इन्हें कहा, बल्कि उन लोगों को भी जो इन्हें फैलाते हैं। फ्रांस की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हैं और यह हमारे देश का अपमान है। पैराग्वे सरकार ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि वह अमारिला की टिप्पणियों की निंदा करती है। सरकार ने कहा,हम इन बयानों की कड़ी निंदा करते हैं। ये हमारे देश द्वारा मानव गरिमा, सम्मान और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के मूल्यों के बिल्कुल विपरीत हैं। बयान में यह भी कहा गया ये टिप्पणियां संबंधित सांसद की व्यक्तिगत जिम्मेदारी हैं और किसी भी तरह से पैराग्वे सरकार या पैराग्वे की जनता की आधिकारिक राय का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं।

फीफा विश्व कप 2026: बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

सिएटल। चार्ल्स डी केटेलेयर के शानदार दो गोल और एक असिस्ट की बदौलत बेल्जियम ने मंगलवार को मेजबान अमेरिका को 4-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ल्यूमेन फील्ड में खेले गए राउंड ऑफ-16 मुकाबले में बेल्जियम ने अमेरिकी टीम की रक्षापंक्ति की कमजोरियों का पूरा फायदा उठाया और लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में अमेरिका को बाहर कर दिया।

बेल्जियम ने मुकाबले की तेज शुरुआत की और आठवें मिनट में डी केटेलेयर ने टीम को बढ़त दिला दी। अमेरिका ने 31वें मिनट में मलिक टिलमैन के शानदार फ्री-किक गोल से बराबरी कर ली, लेकिन बेल्जियम ने महज 61 सेकंड बाद फिर बढ़त हासिल कर ली। डी केटेलेयर ने दूसरा गोल दागकर अमेरिका की वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया।

दूसरे हाफ में अमेरिकी गोलकीपर मैट फ्रीस की बड़ी गलती का बेल्जियम ने पूरा फायदा

उठाया। चार्ल्स डी केटेलेयर के दबाव में फ्रीस गेंद पर नियंत्रण खो बैठे और हैंस वानाकेन ने 57वें मिनट में तीसरा गोल कर टीम को 3-1 की मजबूत बढ़त दिला दी। इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में स्थानापन्न रोमेलु लुकाकू ने चौथा गोल कर बेल्जियम की जीत पर मुहर लगा दी।अमेरिका को स्टार स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन की वापसी से मजबूती मिली थी। उनका एक मैच का रेड कार्ड निलंबन फीफा ने विवादास्पद तरीके से हटा दिया था, लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी। वहीं कप्तान क्रिश्चियन पुलिसिक दूसरे हाफ में पैर में चोट लगने के कारण मैदान छोड़ने पर मजबूर हुए।

भारत में पहली बार आईटीटीएफ लेवल-1 कोच शिक्षा कार्यक्रम शुरू, स्कूल प्रशिक्षकों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने ओमान के मस्कट में होने वाली पहली महिला यूथ हॉकी-5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 की तैयारियों के लिए 15 सदस्यीय सब जूनियर महिला समूह की घोषणा कर दी है। चयनित खिलाड़ी भोपाल के मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में 4 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रही हैं।यह शिविर भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान और सब जूनियर महिला टीम की मुख्य कोच रानी की निगरानी में चल रहा है। शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को हॉकी-5 के तेज़ और अलग प्रारूप के अनुरूप तैयार करना है।हॉकी इंडिया के अनुसार भोपाल अब देश में हॉकी के प्रमुख उच्च प्रदर्शन केंद्र के रूप में उभर रहा है। इससे पहले भी यहां सब जूनियर राष्ट्रीय शिविर और अंडर-18 एशिया कप की तैयारियां कराई जा चुकी हैं। आधुनिक सुविधाओं से लैस मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए

उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करा रही है। कोच रानी ने कहा कि महिला यूथ हॉकी-5 एशियाई चैंपियनशिप युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव हासिल करने का शानदार अवसर है। उन्होंने कहा कि चूंकि सब जूनियर टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही है, इसलिए खिलाड़ियों को हॉकी-5 के प्रारूप की तकनीकी और सामरिक बारीकियों से परिचित कराने के साथ उनकी बुनियादी क्षमताओं को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग के लिए मध्य प्रदेश सरकार का भी आभार व्यक्त किया। हॉकी इंडिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर देश में मजबूत प्रतिभा विकास प्रणाली तैयार करने की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है।

इसी वर्ष अंडर-18 एशिया कप 2026 से पहले भी सब जूनियर खिलाड़ियों के लिए एक महीने का राष्ट्रीय शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय महिला टीम ने कांस्य पदक जीता था। संस्था का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अवसर देकर उन्हें भविष्य में जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय टीमों के लिए तैयार करना है। रश्मीन कौर, रुबीना बक्सला, नैन्सी सरोहा, पुष्पा मांझी, खिली कुमारी, किरण एक्का, स्वीटी कुजूर, स्नेहा दावड़े, नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी, नीलम टोपनो, प्रियंका मिंज, दिया, संदीपा कुमारी और महक परिहार।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने विश्व कप को कहा अलविदा, बोले- यह मेरा आखिरी फीफा वर्ल्ड कप था

एजेंसी

आर्लिंग्टन। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुष्टि कर दी है कि फीफा विश्व कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप था। स्पेन से राउंड ऑफ-16 में 0-1 की हार के बाद भावुक रोनाल्डो ने कहा कि वह विश्व कप को अलविदा कह रहे हैं, लेकिन अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य पर कोई जल्दबाज़ी में फैसला नहीं लेंगे।

मैच के बाद मीडिया से बातचीत में रोनाल्डो ने कहा कि स्पेन को जीत में थोड़ी किस्मत का साथ मिला और मुकाबला किसी भी दिशा में जा सकता था। उन्होंने कहा, इस तरह विश्व कप से बाहर होना मेरे लिए बेहद दुखद है। मैंने अपना सब कुछ झोंक दिया। अपनी ओर से पूरी कोशिश की और मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं कि मैंने कोई कमी नहीं छोड़ी। हां, यह मेरा आखिरी विश्व कप था, लेकिन अब मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊंगा और शांति से आगे के बारे में सोचूंगा। मैं कोई भी फैसला जल्दबाज़ी में नहीं लूंगा। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह पुर्तगाल के लिए उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था या नहीं। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनका व्यक्तिगत फैसला टीम के अभियान पर हावी हो जाए। उन्होंने कहा, मैं भावनाओं में बहकर फैसले नहीं करता। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने सफर पर गर्व जताते हुए कहा कि उन्होंने देश को वह उपलब्धियां दिलाईं, जो पहले कभी नहीं मिली थीं। उन्होंने कहा, मैंने पुर्तगाल के लिए तीन बड़े खिताब जीते। क्रिस्टियानो रोनाल्डो से पहले पुर्तगाल ने कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था। राष्ट्रीय टीम के साथ 2016 में जीती गई यूरोपीय चैम्पियनशिप मेरे लिए विश्व कप जीतने जितनी ही बड़ी उपलब्धि है।

बालोगुन के रेड कार्ड विवाद पर ट्रंप की टिप्पणी के बाद रेफरी क्लॉस के समर्थन में उतरा फीफा

एजेंसी

मियामी। फीफा विश्व कप 2026 में अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को मिले रेड कार्ड को लेकर विवाद गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ब्राज़ीलियाई रेफरी राफेल क्लॉस की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के बाद फीफा ने अपने रेफरी का खुलकर बचाव किया और कहा कि क्लॉस विश्व के सर्वश्रेष्ठ रेफरियों में से एक हैं तथा उनकी ईमानदारी और पेशेवर क्षमता पर संगठन को पूरा भरोसा है।

राउंड ऑफ-16 से पहले यह विवाद तब शुरू हुआ जब बालोगुन को बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ राउंड ऑफ-32 मुकाबले में वीएआर समीक्षा के बाद रेड कार्ड दिखाया गया था। रेफरी क्लॉस ने बालोगुन को तारिक मुहरेमोविच के टखने पर स्टड मारने का दोषी मानते हुए मैदान से बाहर भेज दिया था। हालांकि बाद में फीफा ने बालोगुन पर

लगी एक मैच की पाबंदी हटा दी, जिससे वह बेल्जियम के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में खेलने के लिए उपलब्ध हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने इस फैसले की समीक्षा कराने को कहा था। उन्होंने राफेल क्लॉस पर निशाना साधते हुए कहा, अगर आप उनके पुराने रिकॉर्ड देखें तो वे थोड़े संदिग्ध लगते हैं। हालांकि ट्रंप ने अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस कारण या उदाहरण नहीं दिया। फीफा ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा,राफेल क्लॉस विश्व के प्रमुख पेशेवर रेफरियों में शामिल हैं और फीफा विश्व कप में 'टीम वन' (फीफा के एलीट रेफरी समूह) के सम्मानित सदस्य हैं। अपने पूरे करियर में उन्होंने लगातार उच्चतम स्तर की पेशेवरता और ईमानदारी का परिचय दिया है। फीफा ने यह भी स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट के दौरान रेफरियों के मीडिया से बात न करने की नीति के तहत क्लॉस इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इंफैन्टिनो ने कहा,मैं फिर दोहराना चाहता हूं कि हमें रेफरियों और खेल के नियमों का सम्मान करना चाहिए। यह बहुत सरल बात है और इसे कभी भी कम करके नहीं आंका जा सकता।

फीफा विश्व कप 2026: क्वार्टर फाइनल की तस्वीर लगभग साफ, छह टीमों ने अंतिम-8 में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में क्वार्टर फाइनल की तस्वीर अब लगभग पूरी तरह साफ हो गई है। राउंड ऑफ-16 के शुरुआती मुकाबलों के बाद छह टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम-8 में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि बाकी दो स्थानों का फैसला आज होने वाले मुकाबलों के बाद होगा। अब तक क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीमों में मोरक्को, फ्रांस, नॉर्वे, इंग्लैंड, स्पेन और बेल्जियम शामिल हैं। मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से हराकर सबसे पहले अंतिम-8 का टिकट कटाया। इसके बाद फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से मात दी। सबसे बड़ा उलटफेर नॉर्वे ने किया, जिसने पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। इंग्लैंड ने मेजबान मेक्सिको को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया, जबकि स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बेल्जियम ने संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 4-1 से हराकर अंतिम-8 में अपनी जगह मजबूत कर ली। अब सभी की नजरें राउंड ऑफ-16 के आखिरी दो मुकाबलों पर टिकी हैं। आज अर्जेंटीना और मिस्र के बीच होने वाले मैच से एक और क्वार्टर

फाइनलिस्ट का फैसला होगा, जबकि दूसरे मुकाबले में स्विट्जरलैंड और कोलंबिया आमने-सामने होंगे। इन दोनों मैचों के बाद क्वार्टर फाइनल की आठों टीमें तय हो जाएंगी और खिताब की जंग और भी रोमांचक हो जाएगी।

आगामी रणजी ट्रॉफी की तैयारी शुरू, हाई परफॉर्मेंस कैंप में मुरादाबाद के चार खिलाड़ी

एजेंसी

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र की तैयारियों को धार देने के लिए कानपुर स्थित

ग्रीनपार्क स्टेडियम में आज सात दिवसीय हाई परफॉर्मेंस कैंप शुरू हो गया। उत्तर प्रदेश की सीनियर टीम के 44 खिलाड़ियों को कैंप के लिए चुना गया है। इनमें मुरादाबाद के आर्यन जुयाल, विशाल तोमर और शिवम शर्मा, अक्षु बाजवा भी शामिल हैं। विजय गुप्ता ने आगे बताया कि कैंप में खिलाड़ियों को बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग और फिटनेस का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदर्शन के आधार पर आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए टीम संयोजन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ेगी।

भारत में पहली बार आईटीटीएफ लेवल-1 कोच शिक्षा कार्यक्रम शुरू, स्कूल प्रशिक्षकों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण

एजेंसी

नोएडा। देश में स्कूल स्तर पर टेबल टेनिस को मजबूत बनाने और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए इंटरनेशनल स्कूल्स स्पोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन (आईएसएसओ) ने इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएफ) अकादमी और इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन (आईटीटीएफ) के सहयोग से आईटीटीएफ लेवल-1 कोच शिक्षा कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन कार्यक्रम 6 से 10 जुलाई तक नोएडा स्थित प्रोमेथियस स्कूल में आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों ने मंगलवार को बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर से 22 शारीरिक शिक्षा शिक्षक, स्कूल कोच और टेबल टेनिस प्रशिक्षक भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग पद्धतियों, खिलाड़ियों के विकास की आधुनिक तकनीकों और प्रभावी प्रशिक्षण प्रणाली से परिचित कराना है, ताकि स्कूल स्तर पर खेलों को नई मजबूती मिल सके। कार्यक्रम का संचालन थाईलैंड की अंतरराष्ट्रीय स्तर की आईटीटीएफ प्रशिक्षक क्रिस्टीना ची कर रही हैं। वह प्रतिभागियों को कक्षा प्रशिक्षण के साथ-साथ टेबल पर व्यावहारिक कोचिंग भी दे रही हैं। प्रशिक्षण में कोचिंग की मूलभूत तकनीक, तकनीकी कौशल विकास, प्रशिक्षण सत्र की योजना, खिलाड़ियों की प्रगति और युवा खिलाड़ियों के लिए सकारात्मक सीखने का वातावरण तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आईटीटीएफ प्रशिक्षक क्रिस्टीना ची ने कहा, कोच शिक्षा किसी भी

मजबूत खेल व्यवस्था की आधारशिला होती है। जब शिक्षक और प्रशिक्षक अंतरराष्ट्रीय स्तर की जानकारी और व्यावहारिक तकनीकों से लैस होते हैं तो युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिलता है। भारत के शिक्षकों में जो उत्साह देखने को मिला है, वह बेहद प्रेरणादायक है। मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम भविष्य के बेहतरीन टेबल टेनिस खिलाड़ियों को तैयार करने में मदद करेगा। आईएसएसओ के सह-निदेशक गौरव दीक्षित ने कहा, आईएसएसओ का लक्ष्य छात्रों के साथ-साथ उन्हें प्रशिक्षित करने वाले शिक्षकों और कोचों को भी विश्वस्तरीय अवसर उपलब्ध कराना है। आईएसएफ अकादमी और आईटीटीएफ के साथ हमारी साझेदारी भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोच शिक्षा लाने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे स्कूल स्तर पर टेबल टेनिस को मजबूती मिलेगी और युवा खिलाड़ियों के समग्र विकास की मजबूत नींव तैयार होगी। आईएसएसओ ने हाल के महीनों में फीबा, बैडमिंटन विश्व महासंघ और कुक्कीवोन (विश्व ताइक्वांडो मुख्यालय) के सहयोग से भी अंतरराष्ट्रीय कोच शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इसके अलावा संस्था ने प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी कर स्कूल खेलों को नई दिशा देने का काम किया है। कोच शिक्षा के साथ-साथ आईएसएसओ लगातार भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच भी उपलब्ध करा रहा है। हाल ही में संस्था ने भारतीय छात्र टीम को आईएसएफ बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2026 में भाग लेने के लिए सर्बिया भेजा था। इन पहलों के माध्यम से आईएसएसओ भारत के स्कूल खेल तंत्र को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है।

ईडी ने 150 करोड़ से अधिक के टीएमसी फंड रूटिंग मामले में कोलकाता और आसपास के इलाकों में की छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े 150 करोड़ रुपये से अधिक के कथित वित्तीय अनियमितताओं और संदिग्ध धनराशि के बैंक खातों में लेन-देन के मामले में मंगलवार सुबह कोलकाता और आसपास के इलाकों के पांच ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी ने बताया कि एजेंसी की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि 150 करोड़ रुपये से अधिक की राशि विमानन और ट्रैवल कंपनियों के माध्यम से संदिग्ध उद्देश्यों के लिए भेजी गई। जांच एजेंसी ने केयरवेल एविएशन और उसके निदेशकों के परिसरों के साथ एक कथित इलेक्टोरल ट्रस्ट को भी कवर किया है। ईडी अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। इन कंपनियों के जरिए धन के प्रवाह और उसके उपयोग की जांच की जा रही है।

अथर्व पॉली प्लास्ट ने निवेशकों को किया खुश, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। प्लास्टिक कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी अथर्व पॉली प्लास्ट लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मजबूती के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 60 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 69 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में तेजी का रुख बन गया। थोड़ी देर में ही ये शेयर छलांग लगा कर 72.45 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों प्रति शेयर 12.45 रुपये यानी 20.75 प्रतिशत का फायदा हो गया। कंपनी का 27 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जून से दो जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 10.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 18.97 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 11.30 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 45 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

स्टॉक मार्केट में संपर्क इंडिया लॉजिस्टिक्स की मजबूत शुरुआत, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। एंड टू एंड लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी संपर्क इंडिया लॉजिस्टिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मजबूती के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 84 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 5.95 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 89 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही उछल कर 93.45 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 9.45 रुपये यानी 11.25 प्रतिशत का फायदा हो गया। कंपनी का 27.22 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से दो जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 10.11 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 32.40 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

विनीत मोबाइल ने निवेशकों को दिया झटका, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। मल्टी ब्रैंड रिटेल मोबाइल बिजनेस के काम में लगी विनीत मोबाइल लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 58 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.94 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 55 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर टूट 147.25 रुपये के लोअर सर्किटल लेवल तक गिर गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 10.75 रुपये यानी 6.80 प्रतिशत का नुकसान हो गया। विनीत मोबाइल का 34.13 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से दो जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.62 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.80 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.18 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

स्टॉक मार्केट में तेजा इंजीनियरिंग की धांसू शुरुआत, पहले दिन ही लगभग डबल हुआ निवेशकों का पैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑयल एंड गैस सेक्टर के लिए सर्विस देने वाली कंपनी तेजा इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने जबरदस्त मुनाफे के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को गदगद कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 220 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 418 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही उछल कर 438.90 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों प्रति शेयर 218.90 रुपये यानी 99.50 प्रतिशत का फायदा हो गया। कंपनी का 37.39 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जून से दो जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.37 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.81 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.32 गुना ही सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 16.98 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। तेजा इंजीनियरिंग की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.16 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 4.02 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को चार करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 24.58 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 31.62 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में छलांग लगा कर 55.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक की बात करें।

सीमैक्स रिसोर्सेज ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। मटेरियल मूवमेंट और वेयरहाउस ऑपरेशन के काम में लगी सीमैक्स रिसोर्सेज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दे दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 141 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 112.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही गिर कर 107.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 33.80 रुपये यानी 23.97 प्रतिशत का नुकसान हो गया।सीमैक्स रिसोर्सेज का 19.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जून से दो जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.62 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 17.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.52 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 14 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

हेरिटेज फ्रेश पनीर सहित कई खाद्य संचालकों को एफएसएसएआई का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। भ्रामक दावों को लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने हेरिटेज फ्रेस पनीर सहित कई खाद्य व्यवसाय संचालकों को नोटिस जारी कर सात दिनों में जवाब मांगा है। इनमें हेरिटेज फ्रेश पनीर के साथ ला कासा वीगन हेज़लनट चॉकलेट स्प्रेड, सिपजर न्यूट्रास्यूटिकल जूस कैप्सूल शामिल है। एफएसएसएआई ने इस सभी उत्पादों में भ्रामक दावों के संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर नोटिस जारी कर कहा कि अगर नियमों की अनदेखी की गई तो इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण द्वारा जारी नोटिस में कहा गया हेरिटेज फ्रेश पनीर प्रोडक्ट पर फ्रेश पनीर (ताज़ा पनीर) का भ्रामक दावा किया गया। फ्रेश(ताज़ा) शब्द के इस्तेमाल के लिए शेड्यूल पांच में बताई गई शर्तों को पूरा नहीं करता है, इसलिए फ्रेश शब्द का इस्तेमाल ग्राहकों को गुमराह कर सकता है, इसे भ्रामक माना जाता है। इसके साथ हेल्दी शब्द के

इस्तेमाल प्रोडक्ट को सेहत के लिए बेहतर बताता है, जिससे यह दावा भ्रामक हो जाता है। कंपनी को निर्देश दिया गया है कि वह 7 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण दे कि नियमों के तहत उस पर कार्रवाई क्यों न की जाए। इसी के साथ सिपज़र न्यूट्रास्यूटिकल्स जूस कैप्सूल प्रोडक्ट पर किए गए भ्रामक दावों - जैसे एफएसएसएआई से मंज़ूर, इम्यून सिस्टम को मज़बूत करें, शरीर से टॉक्सिन्स निकालें और ऑर्गेनिक सब्ज़ियों से बना - के संबंध में नोटिस जारी किया गया है। यह दावा भ्रामक और धोखा देने वाला है। इसके समर्थन में कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं दिया गया है। पैक के सामने टमाटर, खीरा, ब्रोकली, पत्तागोभी और धनिया की तस्वीरें दिखाई गई हैं, जबकि ये चीज़ें प्रोडक्ट की सामग्री के तौर पर नहीं बताई गई हैं। प्रोडक्ट के लेबल पर विटामिन सी और विटामिन ई होने की बात कही गई है, जबकि इसमें विटामिन सी की मात्रा सिर्फ़ 0.1 प्रतिशत है। कंपनी को निर्देश दिया गया है कि वह 7 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण दे।

सेबी एक अगस्त से खुले बाजार के जरिये शेयर पुनर्खरीद व्यवस्था लागू करेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में शेयर की पुनर्खरीद (बायबैक) की व्यवस्था को फिर से लागू करने के नियम अधिसूचित किए हैं। कंपनियां 1 अगस्त से ओपन मार्केट में अपने शेयर वापस खरीद सकेंगी। इस प्रक्रिया की समय-सीमा 66 कार्य-दिवस तय की गई है। नए नियमों के तहत कंपनियां पुनर्खरीद के लिए अलग से 'पुनर्खरीद खिड़की' के बिना नियमित कारोबार व्यवस्था के माध्यम से पुनर्खरीद कर सकेंगी।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने एक जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा कि शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में पुनर्खरीद कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त भंडार के 15 फीसदी से कम होगा। इसकी गणना कंपनी के एकल और समेकित दोनों वित्तीय विवरणों के आधार पर की जाएगी।'' इस संबंध में सेबी के निदेशक मंडल ने जून में प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके अलावा शेयर बाजार के जरिए खुले बाजार में

पुनर्खरीद की प्रक्रिया पेशकश खुलने की तारीख से 66 कार्य दिवस के भीतर पूरी करनी होगी। इससे पहले यह अवधि अधिकतम छह महीने तक हो सकती थी।

सेबी ने कहा कि पुनर्खरीद की पेशकश सार्वजनिक घोषणा की तारीख से चार कार्य दिवस के भीतर खुलेगी और पेशकश खुलने की तारीख से 66 कार्य दिवस के भीतर बंद होगी। सेबी ने दो पुनर्खरीद पेशकशों के बीच न्यूनतम अंतराल को पुनर्खरीद विनियमों के तहत अलग समय-सीमा बनाए रखने के बजाय कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप कर दिया है। सेबी ने 2025 में खुले बाजार के जरिए पुनर्खरीद की व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया था। नियामक ने उस समय शेयरधारकों के साथ असमान व्यवहार और कर संबंधी विकृतियों पर चिंता जताई थी, क्योंकि यह व्यवस्था चुनिंदा निवेशकों के पक्ष में मानी जाती थी।

सरकार ने एनपीएस के तहत स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों को दो और निवेश विकल्प दिए

नई दिल्ली, 07 जुलाई। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाले केंद्रीय स्वायत्त निकायों (सीएबी) कर्मचारियों के लिए निवेश के दो और विकल्प उपलब्ध कराए हैं।वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने एनपीएस के तहत आने वाले केंद्रीय स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों के लिए एनपीएस के तहत दो अतिरिक्त निवेश के विकल्प उपलब्ध कराए हैं। मंत्रालय के व्यय विभाग ने अपने ज्ञापन के माध्यम से वित्तीय सेवाएं विभाग की 13 नवंबर, 2025 की अधिसूचना की प्रयोज्यता को एनपीएस के तहत आने वाले केंद्रीय स्वायत्त निकायों (सीएबी) के कर्मचारियों पर भी लागू कर दिया है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने पहले एनपीएस के तहत आने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए निवेश के अतिरिक्त विकल्पज्आक्रामक जीवन चक्र कोष (एलसी-75) और संतुलित जीवन चक्र कोष (बीएलएसी) पेश किए थे। अब ये निवेश विकल्प केंद्रीय स्वायत्त निकायों में काम करने वाले एनपीएस अंशधारकों के लिए भी उपलब्ध कराए गए हैं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक एग्रेसिव लाइफ साइकिल फंड (एलसी-75) का नाम अब एलसी-75-हाई रखा गया है:- यह एक निवेश विकल्प है, जिसमें इक्विटी में निवेश 75 फीसदी तक है, और इसे उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है जो लंबी अवधि में अधिक वृद्धि की क्षमता की तलाश में हैं। बैलेंस्ड लाइफ साइकिल फंड (बीएलसी) का नाम अब एग्रेसिव लाइफ साइकिल फंड रखा गया है:- यह एक निवेश विकल्प है जिसमें इक्विटी में निवेश 50 फीसदी तक सीमित है, और 45 वर्ष की आयु से शुरू होकर इक्विटी आवंटन में धीरे-धीरे कमी आती है, जो विकास और स्थिरता के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करता है। इन निवेश विकल्पों के विस्तार का उद्देश्य केंद्रीय स्वायत्त निकायों में एनपीएस ग्राहकों को अधिक लचीलापन प्रदान करना है, जिससे वे अपने पेंशन निवेश को अपनी व्यक्तिगत जोखिम लेने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और सेवानिवृत्ति नियोजन आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सकें।

शेयर बाजार में चार दिन तेजी पर लगा ब्रेक, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली, 07 जुलाई। घरेलू शेयर बाजार में पिछले चार कारोबारी दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर आज ब्रेक लग गया। दिन भर उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से बाजार की मजबूती और बढ़ी, लेकिन आखिरी आधे घंटे के कारोबार में चौतरफा मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण बाजार की चाल टूट गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स दबाव में कारोबार करते रहे। रियल्टी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, मीडिया, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर के शेयरों में आज जम कर खरीदारी होती रही। इस खरीदारी के कारण निफ्टी का आईटी इंडेक्स 2.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 1.40 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 480.11 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 481.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,397 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,599 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,633 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 165 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,951 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,018 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,933 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 176.09 अंक की मजबूती के साथ 78,461.16 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली होती रही, लेकिन पहले 20 मिनट के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे के करीब सेंसेक्स 379.85 अंक की छलांग लगा कर 78,664.92 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली होने लगी, जिससे इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आने लगी। खासकर, शाम तीन बजे के करीब बिकवाली का दबाव काफी अधिक बढ़ गया, जिसकी वजह से यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 633.88 अंक टूट कर 254.03 अंक की कमजोरी के साथ 78,031.04 अंक तक पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 150 अंक की रिकवरी कर 104.35 अंक की गिरावट के साथ 78,180.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 34.10 अंक उछल कर 24,464.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद हुई बिकवाली की वजह से पहले 20 मिनट के कारोबार में ही यह सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में 24,423.50 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदार में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे के करीब निफ्टी 100.55 अंक की मजबूती के साथ 24,530.90 अंक तक पहुंच गया।

इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया। शेयरों की लगातार हो रही बिक्री के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 181.95 अंक लुढ़क कर 81.40 अंक की गिरावट के साथ 24,348.95 अंक के स्तर तक आ गया। अंत में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई खरीदारी की वजह से निफ्टी आज के निचले स्तर से करीब 50 अंक सुधर कर 31.65 अंक की कमजोरी के साथ 24,398.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज शेयरों में से एचसीएल टेक्नोलॉजी तीन प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.92 प्रतिशत, इंफोसिस 2.84 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 2.67 प्रतिशत और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, ट्रेंट लिमिटेड 12.44 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 3.10 प्रतिशत, अदानी पोर्ट्स 1.64 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 1.50 प्रतिशत और सिप्ला 1.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

उत्तर रेलवे

"जम्मू मंडल में स्वचालित टिकट वेडिंग मशीनों (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फैसिलिटेटर्स की नियुक्ति के लिए विज्ञापन सूचना"

यह नियुक्ति स्थायी सेवा के लिए नहीं है।

यह नियुक्ति पूर्णतः संविदा (अनुबंध) आधारित होगी। इस नियुक्ति के आधार पर रेलवे सेवा में समायोजन, सेवा का नियमितीकरण, बोनस, रेलवे पास सुविधा अथवा रेलवे कर्मचारियों को उपलब्ध अन्य किसी भी प्रकार की सुविधा का दावा स्वीकार्य नहीं होगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तरी रेलवे, जम्मू, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, आम जनता से सीलबंद आवेदन आमंत्रित करते हैं, ताकि जम्मू मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फैसिलिटेटर्स की नियुक्ति की जा सके। यह अनुबंध वास्तविक कार्यारंभ की तिथि से प्रभावी होगा तथा एक वर्ष की अवधि के लिए मान्य रहेगा, जिसे अधिकतम दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

जम्मू मंडल में ATVM के स्थानों की सूची निम्नानुसार है:-

क्रम सं.	स्टेशन का नाम	स्टेशन कोड	स्टेशन श्रेणी	नियुक्त किए जाने वाले फैसिलिटेटर्स की संख्या
1	जम्मू तवी	JAT	NSG-2	02
2	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	SVDK	NSG-2	02
3	पठानकोट कैंट	PTKC	NSG-3	02
4	शहीद कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर)	MCTM	NSG-3	03
5	पठानकोट जंक्शन	PTK	NSG-4	02
6	कठुआ	KTHU	NSG-4	01
7	श्री नगर	SINA	NSG-5	02
8	मुकेरियां	MEX	NSG-5	02
9	दसुआ	DZA	NSG-5	02
10	दीनानगर	DNN	NSG-5	02
11	गुरदासपुर	GSP	NSG-5	02
12	बनीहाल	BAHL	NSG-5	02
13	अनंतनाग	ANT	NSG-5	02
14	बड़गाम	BDGM	NSG-6	02
15	बारामूला	BRML	NSG-6	01
16	संगलदान	SGDN	NSG-6	01
17	मज़होम	MZMA	NSG-6	01
18	सोपोर	SXZM	NSG-6	01

नोट: आवेदक को निम्नानुसार रिफंडेबल सुरक्षा जमा राशि जमा करने के लिए तैयार रहना होगा:

- **एनएसजी-1 एवं एनएसजी-2 श्रेणी के स्टेशनों के लिए: ₹ 50,000/-**
- **अन्य सभी श्रेणी के स्टेशनों के लिए: ₹ 25,000/-**

सुरक्षा जमा राशि आवेदक द्वारा अपने स्वयं के बैंक खाते से जारी सावधि जमा रसीद (एफडीआर) फिक्स्ड डिपॉजिट अथवा डिमांड ड्राफ्ट के रूप में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, जम्मू के पक्ष में जमा की जाएगी। अनुबंध की अवधि पूर्ण होने अथवा उसके समाप्त किए जाने की स्थिति में,यदि कोई देय राशि लंबित होगी तो उसका समायोजन सुरक्षा जमा राशि से किया जाएगा तथा शेष राशि आवेदक को वापस कर दी जाएगी।

क्रम सं.	कार्य का विवरण	अनुबंध अवधि	निविदा प्रपत्र की लागत	निविदा जमा करने की तिथि
1	कार्य की प्रकृतिः जम्मू मंडल के 18 स्टेशनों पर स्वचालित टिकट वेडिंग मशीनों (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फैसिलिटेटर्स को आवंटन के आधार पर नियुक्त करने के लिए निविदा।	एक वर्ष के लिए मान्य, अधिकतम दो वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है।	निःशुल्क	06.07.2026 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 14:00 बजे तक

महत्वपूर्ण तिथियाँ –	
निविदा जारी होने की तिथि	06.07.2026
निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि एवं समय	29.07.2026 (10:00 बजे से 14:00 बजे तक)
निविदा बॉक्स बंद होने की तिथि एवं समय	29.07.2026 को 15:00 बजे
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	29.07.2026 को 15:30 बजे
कार्यालय का पता एवं निविदा दस्तावेज़ उपलब्धता	आवेदन पत्र (नियम एवं शर्तों सहित) उत्तरी रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है तथा इसे 06.07.2026 को 13:00 बजे से डाउनलोड किया जा सकता है।

सं. 01/ATVM/JAT/POLICY/2026 दिनांक- 06.07.2026 **2312/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नाटो की बैठक से पहले ट्रंप का बड़ा दावा- पुतिन और जेलेंस्की दोनों यूक्रेन युद्ध का अंत चाहते हैं

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका मानना है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, दोनों ही यूक्रेन युद्ध खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शांति वार्ता में जितनी प्रगति लोगों को दिख रही है, उससे कहीं ज्यादा आगे बात बढ़ चुकी है। व्हाइट हाउस में 'ट्रंप अकाउंट्स' निवेश कार्यक्रम शुरू करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हाल ही में उनकी पुतिन से 'बहुत अच्छी बातचीत' हुई थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस हफ्ते होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन का मुद्दा सबसे अहम रहेगा। जब उनसे पूछा गया कि उनसे बात करने के बाद भी पुतिन सैन्य हमले क्यों जारी रखे हुए हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन पर दबाव है। वह इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं और यूक्रेन भी इसे खत्म करना चाहता है। हमारी बातचीत चल रही है, और देखते हैं कि क्या हम इसे खत्म कर पाते हैं। ' लगातार जारी लड़ाई के बावजूद ट्रंप ने भरोसा जताया कि हालात सही दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम लोग जितना समझ रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा करीब पहुंच चुके हैं। मैं पूरे भरोसे से कह सकता हूं कि राष्ट्रपति पुतिन इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं और राष्ट्रपति जेलेंस्की भी अब इसे खत्म करना चाहते हैं। '

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की बहरीन के राजा के साथ अहम बैठक, सहयोग बढ़ाने पर जोर

मनामा। भारत और बहरीन के बीच मजबूत होते रिश्तों के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बहरीन राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा और प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के सहयोग को और आगे बढ़ाने पर चर्चा की। भारत के विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। साथ ही क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से भी मुलाकात करने का अवसर मिला। भारत-बहरीन संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए बहरीन के राजा के लगातार मार्गदर्शन की हम दिल से सराहना करते हैं। बहरीन में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए भी उनका धन्यवाद किया।'' जयशंकर ने बताया कि इस दौरान भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इससे पहले विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने बहरीन के मनामा में अपने समकक्ष अब्दुल्लतीफ बिन राशिद अल जयानी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्र में चल रहे हालात पर चर्चा की।

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में पुलिस चौकी पर हमला, दो एसएचओ समेत नौ जवान और 15 आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान के जियारत जिले में सोमवार देररात एक पुलिस चौकी पर हुए हमले में दो थाना प्रभारी (एसएचओ) समेत नौ पुलिसकर्मियों की जान चली गई। इस घटना के बाद शुरू किए गए संयुक्त सुरक्षा अभियान में 15 आतंकी मारे गए। हमलावार पांच पुलिस कर्मचारियों को अगवा कर अपने साथ ले गए हैं। जियारत के पुलिस अधीक्षक अब्दुल कुद्दूस के अनुसार हमलावरों ने कच मांगी फेज तीन इलाके में एक पुलिस चौकी को निशाना बनाया। जियो न्यूज चैनल और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार शहीद होने वाले पुलिस अधिकारियों में मांगी के थाना प्रभारी मोहम्मद हुसैन और कोवास के थाना प्रभारी सोहबत खान शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों और हमलावरों के बीच रातभर जबरदस्त गोलीबारी होती रही। जवानों के शवों को जियारत के जिला मुख्यालय स्पताल ले जाया गया। हमले के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा और कड़ी कर दी गई। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार शाहिद रिंद ने कहा कि जियारत जिले के मांगी इलाके में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान पूरा कर लिया गया है। इस अभियान में 15 आतंकी मारे गए। इस अभियान में फ्रंटियर कॉर्प्स, बलोचिस्तान पुलिस, काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट, स्पेशल ऑपरेशन्स विंग और एंटी-टेररिज्म फ़ोर्स ने हिस्सा लिया।

नेपाल-कंबोडिया मानव तस्करी और साइबर अपराध के खिलाफ बढ़ाएंगे सहयोग

काठमांडू। नेपाल और कंबोडिया मानव तस्करी, साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी (स्कैम) अभियानों के खिलाफ आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपने दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया है। कंबोडिया के फ्नोम पेन्ह में एक उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठक के दौरान नेपाल के राजदूत धन बहादुर ओली ने कंबोडिया के विदेश मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय की स्थायी राज्य सचिव ईट सोफिया से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने सीमा पार संगठित अपराध से निपटने, खुफिया व सूचनाओं के आदान-प्रदान को मजबूत करने और संस्थागत क्षमता के निर्माण के लिए संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। नेपाली दूतावास के अनुसार राजदूत ओली ने कंबोडिया में चल रहे ऑनलाइन स्कैम सेंटरों से नेपाली नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहयोग के लिए कंबोडिया की शाही सरकार को धन्यवाद दिया।

एआई, एयरोस्पेस और निवेश में भारत के साथ मजबूत संबंधों पर क्यूबेक की नजर : मंत्री क्रिस्टोफर स्कीट

एजेंसी

जकार्ता । कनाडा के क्यूबेक प्रांत के मंत्री क्रिस्टोफर स्कीट के अनुसार, क्यूबेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एयरोस्पेस, शिक्षा और क्लीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर भारत के साथ अपने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को भी बढ़ावा देने की योजना है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में क्यूबेक के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं ला फ्रैंकोफोनी मंत्री क्रिस्टोफर स्कीट ने कहा कि प्रांत अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने और भारत के साथ दीर्घकालिक तथा स्थिर साझेदारी विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए यह अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने और भारत के साथ स्थायी संबंध स्थापित करने का

प्रयास है। हमें लगता है कि दोनों पक्षों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं और इसे लेकर हम बेहद उत्साहित हैं। ' स्कीट ने एआई, एयरोस्पेस और शिक्षा को ऐसे क्षेत्र बताया, जिनमें सहयोग की सबसे अधिक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि क्यूबेक और भारत के विश्वविद्यालयों के बीच पहले से मजबूत तालमेल है, जिसे और आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'एयरोस्पेस एक बेहतरीन क्षेत्र है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और शिक्षा भी। हमारे विश्वविद्यालयों के बीच काफी करीबी सहयोग है, जिसे और मजबूत करने की जरूरत है। '

उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और सुरक्षित सप्लाई चेन तथा भरोसेमंद साझेदारियां विकसित करने के लिए देशों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा। उनके अनुसार, भारत और क्यूबेक इस दिशा में प्रभावी साझेदारी कर सकते हैं। क्यूबेक में निवेश और कारोबार के अवसर तलाशने के लिए भारतीय कंपनियों को आमंत्रित करते हुए स्कीट ने कहा कि यह प्रांत उद्यमिता और नवाचार आधारित व्यवसायों के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा, 'भारतीय निवेशकों के लिए यहां अनेक अवसर हैं। हमें भारतीय उद्यमियों की सोच और उद्यमिता का अनुभव पसंद है। भारतीय कंपनियों के लिए क्यूबेक में निवेश और कारोबार की अच्छी संभावनाएं हैं, वहीं क्यूबेक की कंपनियों के लिए भारत में भी व्यापक अवसर मौजूद हैं। '

उन्होंने कहा कि क्यूबेक भारत में अपनी उपस्थिति और मजबूत करना चाहता है, ताकि दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक सहयोग और निवेश को बढ़ावा दिया जा सके।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,535 हुई, 16,700 से ज्यादा घायल

एजेंसी

काराकास । नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज के अपडेट के मुताबिक, 24 जून को वेनेजुएला में आए दोहरे भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,535 हो गई है, जबकि 16,740 लोग घायल हुए हैं। रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर जानकारी दी कि 17,854 लोग बेघर हैं। उन्होंने कहा कि बचाए गए लोगों की संख्या 6,462 बनी हुई है, जबकि 86,794 परिवारों को मदद मिली है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पहले एक आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया था कि 17,345 लोग बेघर भी हुए हैं। अपडेट के मुताबिक, 24 जून को 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप आने के बाद से, वेनेजुएला में (रविवार तक) 995 आफ्टरशॉक (कम तीव्रता के भूकंप) रिकॉर्ड किए गए हैं। अधिकारियों ने बेघर और प्रभावित लोगों की मदद के लिए 80 अस्थायी कैंप भी बनाए हैं। अपडेट के मुताबिक, जिंदा बचे लोगों को ढूंढने के लिए 29,567 बचावकर्मी अभी भी तैनात हैं, जिनमें 3,281 विदेश से आए लोग शामिल हैं। अधिकारियों ने बेघर और प्रभावित लोगों की मदद के लिए 80 अस्थायी कैंप भी बनाए हैं। शनिवार के अपडेट के अनुसार, जिंदा बचे लोगों को ढूंढने के लिए 29,567 बचावकर्मी अभी भी तैनात हैं, जिनमें 3,281 विदेश से आए लोग शामिल हैं। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में आए जबरदस्त भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं।

धमकियों के बीच वार्ता संभव नहीं, अमेरिका करे समझौते का सम्मान : विदेश मंत्री अराघची

एजेंसी

तेहरान । मध्य-पूर्व एशिया में फिलहाल शांति है, लेकिन यूएस-ईरान के बीच हाल ही में हुआ समझौता कितने दिन तक कायम रहेगा, इसे लेकर असमंजस बरकरार है। इसकी एक अहम वजह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फिर ईरान की ओर से दिए जा रहे जवाब माने जा रहे हैं। भी ट्रंप ने ऐसा ही कुछ कहा, जिसका जवाब ईरान की ओर से आया। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अबास अराघची ने स्पष्ट किया कि धमकियों से काम नहीं चलेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि यदि धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू नहीं होगी। उन्होंने इस संबंध में अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के पैराग्राफ 13 का हवाला दिया। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'लाखों गौरवान्वित ईरानी' सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एकत्र हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'न तो ईरानी जनता और न ही हमारी बहादुर सशस्त्र

सेनाएं किसी भी तरह की धमकियों से प्रभावित होंगी। अपने हस्ताक्षर का सम्मान करें। ' अराघची की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका या तो ईरान के साथ समझौता करेगा या फिर 'काम तमाम करेगा '। ट्रंप के मुताबिक या तो डील होगी या ईरान का काम तमाम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक उन्हें ईरान के साथ फिर जंग नहीं चाहिए; वे सैन्य कार्रवाई नहीं चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मैं तो ईरान के साथ डील करना चाहूंगा; मैं नहीं चाहता कि 91 मिलियन लोगों की जिंदगी प्रभावित हो। हम अगर चाहें तो एक घंटे में इनके ब्रिज उड़ा सकते हैं। हम इनकी एनर्जी सप्लाई ध्वस्त कर देंगे। इनके पास कभी बहुत पैसा होता था, लेकिन अब कुछ नहीं है। हमने इन्हें एक पैसा नहीं दिया है।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में धमाका, फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों के दौरे के दौरान होटल के पास हुआ विस्फोट

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के दौरे के दौरान एक जोरदार विस्फोट हुआ। यह धमाका उस होटल के नजदीक हुआ, जहां मैक्रों के ठहरने की व्यवस्था की गई थी। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय लोगों ने एक के बाद एक कई धमाकों की आवाजें सुनीं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में घटनास्थल के आसपास धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। विस्फोट के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने होटल और आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह से घेर लिया। कई प्रमुख सड़कों पर यातायात रोक दिया गया और सुरक्षा जांच तेज कर दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल धमाके के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर

रही हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विस्फोट दुर्घटनावश हुआ या इसके पीछे किसी साजिश का हाथ है।गौरतलब है कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता से हटने के बाद दमिश्क का दौरा करने वाले यूरोपीय संघ (E) के पहले प्रमुख नेता हैं। ऐसे में उनके दौरे के दौरान हुआ यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर रहा है।

चीन की मिसाइल परीक्षण ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता, कहा- बीजिंग का तेजी से परमाणु हथियार बनाना परेशानी की बात

एजेंसी

वाशिंगटन । चीन ने दक्षिणी प्रशांत महासागर में सबमरीन से लॉन्च की जाने वाली इंटरकॉन्टिनेंटल-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। अमेरिका ने चीन के इस टेस्टिंग को लेकर भारी चिंता जताई है। अमेरिका ने कहा है कि बीजिंग का बढ़ता परमाणु हथियार, परमाणु प्रसार को रोकने की दुनिया भर की कोशिशों के खिलाफ है। राज्य विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि चीन के एक सबमरीन से बिना हथियार वाली इंटरकॉन्टिनेंटल-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च करने पर अमेरिका की नजर थी, जो दक्षिणी प्रशांत महासागर में गिरी। पिगॉट ने कहा, 'ऐसे समय में जब अमेरिका परमाणु प्रसार को रोकने के लिए पहले से कहीं ज्यादा मेहनत कर रहा है, चीन इसका उल्टा कर रहा है। '

उन्होंने कहा कि बीजिंग का तेजी से और बिना देखे परमाणु हथियार बनाना इस इलाके और दुनिया के लिए बहुत चिंता की बात है। बयान

में चीन से अपील की गई कि वह हथियार नियंत्रण पर औपचारिक बातचीत करे और लंबी दूरी की मिसाइल लॉन्च के बारे में पारदर्शिता बढ़ाए। पिगॉट ने कहा, 'हम चीन से लगातार अपील करते हैं कि वह काम की हथियार नियंत्रण बातचीत में शामिल हो और सभी इंटरकॉन्टिनेंटल-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल और स्पेस लॉन्च के लिए एक रेगुलर नोटिफिकेशन अरेंजमेंट के लिए कमिट करे, जैसा कि बाकी सभी पी5 सदस्यों ने किया है। ' अमेरिका ने हिंद-प्रशांत में अपने सुरक्षा प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। बयान में आगे कहा गया, 'अमेरिका अपने साथियों और साझेदारों के प्रति अपने रक्षा प्रतिबद्धताओं पर अडिग है। ' अमेरिका का यह बयान ऐसे समय आया है, जब चीन ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उसने पनडुब्बी से प्रशांत महासागर की ओर एक बिना हथियार वाला लंबी दूरी का बैलिस्टिक मिसाइल दागा, जिसमें डमी (नकली) वारहेड लगाया गया था।

चीनी अधिकारियों के अनुसार, संबंधित देशों को पहले से सूचना देने के बाद मिसाइल निर्धारित क्षेत्र में जाकर गिरी। यह प्रक्षेपण चीन की समुद्र-आधारित रणनीतिक मिसाइल क्षमता के सार्वजनिक प्रदर्शन का एक दुर्लभ उदाहरण माना जा रहा है। इलाके की सरकारों ने चिंता जताई। न्यूजीलैंड ने इस लॉन्च को अच्छी और चिंता की बात नहीं बताया, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इसे इलाके को अस्थिर करने वाला कहा। जापान ने भी चीन की सैन्य गतिविधियों के बढ़ने पर चिंता जताई।

अमेरिका में हीट वेव का कहर, 250वीं वर्षगांठ के सप्ताहांत में कई लोगों की मौत

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के जश्न वाले सप्ताहांत के दौरान देश के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में लेने वाली हीट वेव की लहर ने पूर्वी तट, दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों में दो दर्जन से अधिक लोगों की जान ले ली। अमेरिकी राज्य न्यू जर्सी में हीट वेव की लहर के कारण कम से कम 29 लोगों की मौत होने का अनुमान है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, ये मौतें 10 काउंटियों में दर्ज की गईं। अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश मृतक ऐसे घरों में पाए गए, जहां एयर कंडीशनिंग की सुविधा नहीं थी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यू जर्सी के स्वास्थ्य आयुक्त रेनार्ड वॉशिंगटन ने शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मृतकों में केवल बुजुर्ग ही नहीं बल्कि कुछ युवा वयस्क भी शामिल हैं। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल ने कहा, 'अमेरिका में मौसम से जुड़ी मौतों का सबसे बड़ा कारण भीषण गर्मी है और पिछले 14 वर्षों में यह सबसे लंबा और सबसे तीव्र गर्मी का दौर है। '

फॉक्स फोरकास्ट सेंटर के अनुसार, इस हीट वेव की लहर ने अमेरिका के बड़े हिस्से को प्रभावित किया है। 20 से अधिक राज्यों में तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। 30 जून से 5 जुलाई (रविवार) के बीच दैनिक अधिकतम तापमान के कम से कम 148 नए रिकॉर्ड बने।शिकागो में हालिया गर्मी की लहर से जुड़ी वजहों से चार लोगों की मौत हुई। यह जानकारी कुक काउंटी मेडिकल एग्जामिनर कार्यालय के रिकॉर्ड से मिली है। मिसिसिपी के हिंड्स काउंटी के अधिकारियों ने शनिवार को पुष्टि की कि 83 वर्षीय एक महिला की अपने घर के पास बगीचे में गिरने के बाद अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने से मौत हो गई।

भीषण गर्मी के बीच पुर्तगाल में हर साल जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्र चार गुना बढ़ा

एजेंसी

लिस्बन । आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पुर्तगाल में जंगल की आग से जला हुआ क्षेत्र पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में लगभग चार गुना बढ़ गया है। भीषण गर्मी और आग लगने के बढ़े हुए खतरे के कारण देशभर में ग्रामीण इलाकों में आग की घटनाओं में तेज वृद्धि हुई है। पुर्तगाल के ग्रामीण अग्नि एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (एसजीआईएफआर) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक देशभर में जंगल में आग लगने की 4,592 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 30,155 हेक्टेयर क्षेत्र जल चुका है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह कुल जला हुआ क्षेत्र का आधे से अधिक हिस्सा केवल बुधवार से रविवार के बीच दर्ज किया गया। 2025 की इसी अवधि की तुलना में इस साल जला हुआ क्षेत्र लगभग चार गुना बढ़ गया है, जो 2017 के बाद इस

अवधि के लिए सबसे अधिक है। वहीं, जंगल में आग लगने की घटनाओं की संख्या में भी पिछले साल की तुलना में करीब 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह 2022 के बाद इस अवधि में दर्ज किया गया सबसे बड़ा आंकड़ा है। पुर्तगाल में पिछले सप्ताह से असाधारण रूप से अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में सबसे उच्च स्तर की रेड हीट चेतावनी जारी की गई है।

शुक्रवार को पुर्तगाल सरकार ने देशभर में आपात स्थिति घोषित कर दी। सरकार ने इसका कारण बताते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में आग लगने का खतरा 'काफी बढ़ गया है। ' इससे पहले 3 जुलाई को पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने घोषणा की थी कि देश भीषण गर्मी की लहर के कारण बढ़ते जंगल की आग के खतरे से निपटने के लिए यूरोपीय नागरिक सुरक्षा तंत्र और स्पेन तथा मोरक्को के साथ द्विपक्षीय सहयोग समझौतों को सक्रिय करेगा। मोंटेनेग्रो ने कहा था, 'हमने इस समय यूरोपीय नागरिक सुरक्षा तंत्र को सक्रिय करने और स्पेन तथा मोरक्को के साथ द्विपक्षीय समझौतों को लागू करने का फैसला किया है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कदम एहतियाती है और अभी तक देश की अपनी अग्निशमन क्षमता समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के बीच अग्निशमन संसाधनों को स्थानांतरित करने की जरूरत से बचना है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में आग का खतरा 'काफी खराब हो गया है। ' रिपोर्ट के अनुसार, पुर्तगाल के मुख्य भू-भाग के 18 जिलों में से 12 जिलों में इस समय भीषण गर्मी के कारण रेड अलर्ट जारी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर कहा- यह बड़ा उद्योग है और अमेरिका को इस पर हावी होना चाहिए

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टोकरेंसी को एक रणनीतिक उद्योग बताया, जिस पर अमेरिका को हावी होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि डिजिटल एसेट्स को अपनाने में नाकाम रहने पर चीन दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते वित्तीय क्षेत्रों में से एक में सबसे आगे हो जाएगा। ट्रंप अकाउंट्स प्रोग्राम के लॉन्च के मौके पर व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान राष्ट्रपति ने क्रिप्टोकरेंसी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ज्यादा फोकस रखा और दोनों को अमेरिका के आर्थिक और तकनीकी भविष्य के लिए जरूरी बताया। ट्रंप ने कहा, 'मैं सिर्फ एक वजह से क्रिप्टो का बड़ा समर्थक हूं: अगर यह हमारे पास नहीं है, तो चीन के पास होगा और वे इसे पाना चाहेंगे। लेकिन अब वे इतनी कोशिश भी नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमने क्रिप्टो पर कब्जा कर लिया है। ' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि डिजिटल एसेट्स पर उनके विचार समय के साथ बदले हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसका फैन हूं; शुरू में नहीं था, मुझे इसके बारे में ज्यादा पता नहीं था। अपने पहले कार्यकाल में मैं सच में नहीं था, लेकिन मैं देखता था और मैंने इसे बढ़ते देखा। यह एक बहुत बड़ा उद्योग है। ' ट्रंप ने कहा कि भू-राजनीतिक कॉम्पिटिशन ने इस क्षेत्र के लिए उनके समर्थन को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, 'अगर हम ऐसा नहीं करते, तो चीन एक मिनट में ऐसा कर देता। यह एक बहुत बड़ा उद्योग है। बीजिंग नई टेक्नोलॉजी में फायदा उठाना चाहता था। '

उन्होंने डिजिटल एसेट्स को लेकर पिछली सरकार के नजरिए की भी आलोचना की। ट्रंप ने कहा, 'बाइडेन इसके पूरी तरह खिलाफ थे लेकिन उन्हें नहीं पता कि क्रिप्टो क्या है। उन्हें कोई आइडिया नहीं था। वे इसके बहुत खिलाफ थे। वे लोगों को जेल में डाल रहे थे। वे क्रिप्टो के साथ जो कर रहे थे वह बहुत बुरा था।

ट्रंप के मुताबिक, उद्योग के तेजी से बढ़ने की वजह से राजनीतिक और आर्थिक रूप से क्रिप्टोकरेंसी के लिए समर्थन जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा, 'क्रिप्टो भी वही चीज है, अगर हम इसे नहीं करते, तो चीन इसे कर लेता। यह एक बहुत बड़ा उद्योग है। '

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर के बेटे जयवीर देउबा को आय से अधिक संपत्ति मामले में सात दिन के भीतर उपस्थित होने का नोटिस

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के मनी लॉन्ड्रिंग जांच विभाग ने नेपाली कांग्रेस के पूर्व सभापति और पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा के पुत्र जयवीर देउबा को सात दिन के भीतर विभाग में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि आय से अधिक संपत्ति (मनी लॉन्ड्रिंग) संबंधी

जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर स्पष्टीकरण और जानकारी प्राप्त करनी है। इसी उद्देश्य से जयवीर देउबा को नोटिस मिलने की तारीख से सात दिनों के भीतर विभाग के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है। यह नोटिस देउबा परिवार के बुढानीलकण्ठ स्थित आवास पर चस्पा किया गया है। इससे पहले विभाग पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा और उनकी पत्नी आरजू राणा देउबा को भी पूछताछ के लिए बुला चुका है। हालांकि, आरजू ने विभाग को सूचित किया है कि वे सावन माह के अंत तक विभाग में उपस्थित होकर आवश्यक जानकारी और स्पष्टीकरण देंगी।

जकार्ता में पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो ने की द्विपक्षीय वार्ता

एजेंसी

जकार्ता । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार, समुद्री सहयोग, रक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने पर चर्चा की। बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा और समुद्री सहयोग को मजबूत बनाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिजों, खाद्य सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर रहने की उम्मीद है। साथ ही मई 2018 में स्थापित भारत-इंडोनेशिया की व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत हुई प्रगति की भी समीक्षा होने की उम्मीद है। इंडोनेशिया में भारत के राजदूत संदीप चक्रवर्ती ने यह भी कहा है कि दोनों नेता इस दौरे के दौरान प्रम्बानन मंदिर परिसर में रेस्टोरेशन का काम शुरू करने की घोषणा कर सकते हैं।

इससे पहले पीएम मोदी के औपचारिक स्वागत में मर्डेका पैलेस (इंडोनेशिया का प्रेसिडेंशियल पैलेस) में सेरेमोनियल रिसेप्शन का आयोजन किया गया। आज दोनों देशों के बीच कई एमओयू और द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने जकार्ता में मिले विशेष स्वागत का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। वीडियो के साथ

उन्होंने लिखा, 'कल शाम जकार्ता में हुए खास स्वागत की खास बातें। आज राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बातचीत का इंतजार है। '

इंडोनेशिया दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए स्कूली बच्चे दोनों देशों के राष्ट्रीय ध्वज लेकर खड़े दिखाई दिए। प्रधानमंत्री ने उनके पास जाकर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। सेरेमोनियल रिसेप्शन के दौरान कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री मोदी को गले लगाकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया के उच्च अधिकारियों और मंत्रियों से भी मुलाकात की और फिर राष्ट्रपति सुबियांतो ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल से हाथ मिलाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्ताना मर्डेका (राष्ट्रपति महल) में गेस्ट बुक पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी मौजूद रहे। बैठक से पहले पीएम मोदी ने राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के उस विशेष भाव की सराहना की, जिसमें उन्होंने खुद एयरपोर्ट पहुंचकर उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि राष्ट्रपति प्रबोवो का एयरपोर्ट पर स्वागत करने आना उनके लिए बहुत गर्मजोशी और भावनाओं से भरा था।

उन्होंने कहा, 'साल 2018 में भारत और इंडोनेशिया के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया गया था, जिसका लाभ दोनों देशों के लोगों को मिला है। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो और मैं विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए विस्तार से चर्चा करेंगे। '

page 1 and 8 July 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/8/2026 1:09 AM Page 2

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 07 जुलाई (हि.स.)। सरकारी डिग्री कॉलेज महानपुर में चल रहे 100 दिवस नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य नशामुक्त व स्वस्थ समाज का संदेश फैलाना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. बिंती शर्मा ने प्राचार्य डॉ. संगीता सूदन के मार्गदर्शन में किया।

प्रो. शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व आर्थिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जागरूकता सत्र में से नो टू ड्रग्स नारा अभियान, निबंध लेखन प्रतियोगिता और शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्टाफ, छात्र एवं आसपास के श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता और पौधारोपण अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम का समापन नशा मुक्त भारत के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. रूपाली जसरोटिया, किशोरी लाल, रमेश लाल, कुलदीप, सनी, अनु व अनु राधा सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बाबरी के चंदे और मदरसों के कदाचार पर भी बोल दें अखिलेश, वोट बैंक हो जाएगा नाराज : ब्रजेश पाठक

राममंदिर चढ़ावा विवाद पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का अखिलेश पर तीखा पलटवार

कहा– तुष्टिकरण और वोट बैंक की पॉलिटिक्स के चलते राममंदिर को टार्गेट कर रहा विपक्ष

कदाचार का केंद्र बन चुके हैं कई मदरसे, मगर सपा–कांग्रेस कभी नहीं उठाते सवाल

राममंदिर मामले में एसआईटी कर रही जांच, कोई भी दोषी बचने नहीं पाएगा

सनातन संस्कृति की पताका को चरमोत्कर्ष पर पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

लखनऊ, 07 जुलाई। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्हें तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करने वाला बताया। पाठक ने कहा कि सपा और कांग्रेस की हिम्मत नहीं है कि वे मदरसों में चल रहे कदाचारों पर सवाल उठा सकें।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मीडिया से बातचीत में राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण पर एसआईटी जांच का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार किसी भी दोषी को नहीं बख्शेगी। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण पर एसआईटी जांच चल रही है। कोई भी दोषी बचे न और कड़ी कार्रवाई हो, यह सरकार सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पाठक ने राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा की गई कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि ट्रस्ट ने बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार सनातन संस्कृति की पताका को और चरमोत्कर्ष पर पहुंचाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

उन्होंने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा, कांग्रेस और अन्य दल राम मंदिर चढ़ावे पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन बाबरी मस्जिद सहित मुस्लिम प्रतिष्ठानों, मस्जिदों या मदरसों के चंदे और कदाचार पर कभी सवाल नहीं उठाते। पाठक ने कहा कि कई मदरसों की हालत ये है कि वे कदाचार के अड्डे बने हुए हैं। मगर, इनके मुंह से एक शब्द भी नहीं निकलेगा क्योंकि ये तुष्टिकरण और वोट बैंक की पॉलिटिक्स कर रहे हैं।

डिप्टी सीएम ने सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। राम मंदिर ट्रस्ट ने एफआईआर कराई है और कानून के अनुसार कार्रवाई हो, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है।

स्थानीय समाचार

अमरनाथ यात्रियों की सेवा में साहिब बंदगी

जम्मू कश्मीर सरकार के आग्रह पर साहिब बंदगी आश्रमए राँजड़ी में साहिब जी के आदेशानुसार अमरनाथ यात्रियों के रहने और खाने की सुविधा प्रदान की गयी है। 6 जुलाई को 1400 के करीब यात्रियों को मुफ्त 3 समय का खाना और रहने की पूरी सुविधा प्रदान की गयी। साहिब जी का आदेश है कि जब तक यह यात्रा चल रही हैए तब तक यात्रियों के रहने और खाने पीने का पूरा

पूरा ध्यान रखा जाएगा। यह पहली बार नहीं हैए जब साहिब बंदगी आश्रम में साहिब जी ने जरूरतमंदों को रहने और खाने पीने की सुविधा दी है। जब जब देश कोए जनता को जरूरत पड़ी हैए जब जब कोई आपदा पड़ी हैए तब तब साहिब जी के आदेशानुसार साहिब बंदगी के आश्रमों में रहने और खाने पीने की सेवा दी जाती है। साहिब जी ने इस समय 26 आश्रम की बसें और 3 इनोवा अमरनाथ यात्रियों की सेवा में लगा रखी है। साहिब बंदगी आश्रम राँजड़ी एक विशाल आश्रम हैए जहाँ एक साथ 1 लाख लोगों तक रहने की व्यवस्था है। आज यह आश्रम साहिब जी ने अमरनाथ यात्रियों की सेवा में तब तक लगाया हैए जब तक यह यात्रा चल रही है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 36 गोवंश बचाए 2 तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 07 जुलाई (हि.स.)। जिले में गोवंश तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कठुआ पुलिस ने हटली मोड़ और लखनपुर क्षेत्र में दो अलग-अलग मामलों में कुल 36 गोवंश को बचाया और दो तस्करों को गिरफ्तार कर दो ट्रकों को जब्त किया है। पहले मामले में हटली पुलिस पोस्ट प्रभारी इशान शर्मा के नेतृत्व में हटली पुलिस ने हटली मोड़ पर नाका जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोका जिसका चालक मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान वाहन में ठूंस-ठूंस कर भरे गए 22 गोवंश बरामद कर उन्हें मुक्त कराया गया और ट्रक को जब्त किया गया।

उधमपुर में नाबार्ड-आरआईडीएफ परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा, समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश

उधमपुर, 07 जुलाई। उपायुक्त उधमपुर मिंगा शेरपा ने आज विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिले में नाबार्ड की ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के तहत संचालित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की बैठक में मुख्य योजना अधिकारी उत्तम सिंह तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक की शुरुआत में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) डॉ. सिद्धार्थ ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चल रही आरआईडीएफ परियोजनाओं की विस्तृत प्रगति से अवगत कराया।परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्देश दिए कि नाबार्ड द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य पूरे किए जाएं। उन्होंने धीमी गति से चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने तथा सभी बाधाओं को दूर कर निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने पर जोर दिया।

उपायुक्त ने कार्यान्वयन एजेंसियों को संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने, परियोजनाओं की स्थिति से नियमित रूप से अवगत कराने तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरे किए जा सकें।

डोडा में मलेरिया टीम ने चलाया डेंगू जागरूकता एवं निगरानी अभियान

डोडा, 07 जुलाई। राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) के तहत चल रहे एंटी डेंगू माह अभियान के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय डोडा की जिला मलेरिया टीम ने डोडा शहर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता एवं निगरानी अभियान चलाया।

अभियान के दौरान टीम ने सूचना, शिक्षा एवं संचार तथा व्यवहार परिवर्तन संचार (आईईसी/बीसीसी) गतिविधियों के माध्यम से लोगों को डेंगू और मलेरिया से बचाव एवं नियंत्रण के बारे में जागरूक किया। लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने, घरों के आसपास जमा पानी को हटाने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने तथा व्यक्तिगत सुरक्षा उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। निगरानी अभियान के तहत टीम ने सरकारी मेडिकल कॉलेज डोडा से संबद्ध अस्पताल के पैथोलॉजी अनुभाग में रखे गए एमएफ-8 रजिस्टर का भी निरीक्षण किया, ताकि कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार रिकॉर्ड और रिपोर्टिंग की सही व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

यह अभियान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डोडा डॉ. विनोद शर्मा के मार्गदर्शन तथा जिला मलेरिया अधिकारी डोडा की निगरानी में राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया, ताकि जिले में मच्छर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

राष्ट्र सेविका समिति जम्मू द्वारा पथ संचलन का आयोजन

जम्मु, जुलाई 07। राष्ट्र सेविका समिति, जम्मू कश्मीर की जम्मू संभाग की नारी शक्ति ने गत सायंकाल जन जागरण हेतु जम्मू नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए पथ संचलन में भाग लिया। पथ संचलन का आयोजन राष्ट्रवाद, अनुशासन, संस्कृति और परंपरा, सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में किया गया। नागरिकों के बीच राष्ट्र प्रथम के बोध का प्रचार प्रसार करना पथ संचालन का मुख्य उद्देश्य रहा। पथ संचलन से पूर्व बताया गया कि सनातन संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध परंपराओं में से एक है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता है। अलग-अलग भाषाएँ, रीति-रिवाज, पूजा-पद्धतियाँ और परंपराएँ होने के बावजूद हमारा समाज कुछ ऐसे मूल सिद्धांतों से जुड़ा है जो उसे एक सूत्र में बाँधते हैं। इनमें धर्म, कर्म और गौ के प्रति श्रद्धा का विशेष स्थान है। धर्म का अर्थ केवल किसी संप्रदाय या पूजा-पद्धति से नहीं है। धर्म वह व्यवस्था है जो सत्य, न्याय, करुणा, कर्तव्य और लोककल्याण का मार्ग दिखाती है। सनातन परंपरा में धर्म का पालन व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के संतुलित विकास का आधार माना गया है। जब समाज धर्म के सिद्धांतों पर चलता है, तब आपसी विश्वास,

सहयोग और सद्भाव मजबूत होते हैं।कर्म सनातन दर्शन का दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ है। भगवद्गीता का संदेश है कि मनुष्य को अपने कर्तव्य का पालन निष्ठापूर्वक करना चाहिए और फल की चिंता किए बिना श्रेष्ठ कर्म करते रहना चाहिए। कर्म का सिद्धांत व्यक्ति को जिम्मेदार, अनुशासित और नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यही भावना समाज को सशक्त और संगठित बनाती है।गौ भारतीय संस्कृति में करुणा, सेवा और समृद्धि का प्रतीक मानी गई है। प्राचीन काल से कृषि, दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गौ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

किश्तवाड़ के पाड्डर में सड़क सुरक्षा एवं वाहन फिटनेस अभियान आयोजित

किश्तवाड़, 07 जुलाई। उपायुक्त किश्तवाड़ पंकज कुमार शर्मा के निर्देशों तथा सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी तस्लीम जावेद की निगरानी में मोटर वाहन विभाग किश्तवाड़ ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के सहयोग से पड्डर क्षेत्र में व्यापक सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं वाहन फिटनेस अभियान चलाया।

अभियान एसडीपीओ पड्डर विजय भगत, थाना प्रभारी पड्डर अमृत कटोच तथा मोटर वाहन निरीक्षक रॉबिन परिहार की मौजूदगी में आयोजित किया गया। अभियान का संदेश था— 卐सुरक्षित वाहन ज जिम्मेदार चालक ज सुरक्षित यात्रा卐 तथा 卐सड़क सुरक्षा सबकी साझा जिम्मेदारी है—आइए, मिलकर जीवन बचाएं।卐 अभियान के दौरान वाहनों की तकनीकी जांच कर उनकी सड़क पर चलने की उपयुक्तता तथा मोटर वाहन अधिनियम एवं केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के अनुपालन की जांच की गई। केवल उन्हीं वाहनों पर सड़क सुरक्षा अनुपालन स्टिकर लगाए गए, जो तकनीकी रूप से पूरी तरह फिट पाए गए और जिनके पास सभी वैध दस्तावेज उपलब्ध थे।

कार खाई में गिरी, एक व्यक्ति की मौत

जम्मू, 07 जुलाई (हि.स.)। मंगलवार को जम्मू जिले के अखनूर के चौकी चौरा इलाके में एक कार खाई में गिर गई जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना राजमार्ग पर हुई जब पंजीकरण संख्या जेके11ए 4854 वाली एक कार सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई।

मृतक की पहचान राजू शर्मा पुत्र देव राज निवासी कालाकोट के रूप में हुई है।

इस दुर्घटना में दो यात्री घायल हो गए। उनकी पहचान रोशन लाल पुत्र शाम लाल निवासी कांगरी बेरीपट्टन और तुषार रैना पुत्र मदन लाल निवासी कालाकोट के रूप में हुई है। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

श्री अमरनाथजी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कल्याण एवं अपर्याप्त सुविधाओं के संबंध में SABLO द्वारा गंभीर चिंता व्यक्त

लुधियाना, 06 जुलाई श्री अमरनाथ बर्फानी लंगर्स ऑर्गेनाइजेशन (SABLO), जो श्री अमरनाथजी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा में लगे यात्रियों तथा भंडारा (लंगर) सेवा प्रदाताओं का प्रतिनिधित्व करता है, ने यात्रियों द्वारा झेली जा रही अनेक कठिनाइयों पर गंभीर चिंता एवं गहरा दुःख व्यक्त किया है। संगठन ने विशेष रूप से पवित्र यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कल्याण, गरिमा तथा आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता से संबंधित गंभीर मुद्दों/चिंताओं को उजागर किया है। SABLO ने श्राइन बोर्ड तथा अन्य सभी संबंधित/सक्षम प्राधिकरणों से आग्रह किया है कि वे तत्काल एवं प्रभावी सुधारात्मक कदम उठाएँ ताकि प्रत्येक श्रद्धालु को संपूर्ण यात्रा के दौरान सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। SABLO ने विभिन्न ट्रांजिट प्वाइंट्स, विशेषकर जम्मू तथा बालटाल एवं नुनवान स्थित आधार शिविरों पर श्रद्धालुओं को कथित रूप से हो रही कठिनाइयों के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड को एक अत्यंत आवश्यक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है।

संगठन के अध्यक्ष श्री राजन गुप्ता ने श्राइन बोर्ड का ध्यान विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर प्रसारित हो रही अनेक रिपोर्टों, वीडियो एवं समाचारों की ओर आकर्षित किया है, जिनसे संकेत मिलता है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को कथित रूप से अत्यंत कठिन परिस्थितियों में लंबे समय तक प्रतीक्षा करने के लिए विवश होना पड़ा है, जो कुछ मामलों में 24 से 48 घंटे अथवा उससे भी अधिक रही है। रिपोर्टों से यह भी संकेत मिलता है कि अनेक स्थानों पर, जहाँ श्रद्धालुओं को रुकना पड़ता है, वहाँ भोजन, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता, स्नान सुविधाएँ, शौचालय, चिकित्सा सहायता तथा अस्थायी आवास की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। संगठन ने उन रिपोर्टों पर भी चिंता व्यक्त की है जिनमें श्रद्धालुओं पर लाठीचार्ज एवं अन्य कठोर उपाय अपनाए जाने का आरोप लगाया गया है। संगठन का कहना है कि यदि ऐसी घटनाएँ हुई हैं, तो वे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं तथा पवित्र यात्रा की मर्यादा एवं गरिमा के अनुरूप नहीं हैं।

श्री राजन गुप्ता ने इस बात पर बल दिया कि देश के प्रत्येक कोने से—जिसमें दक्षिणी राज्य, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम तथा अनेक अन्य क्षेत्र सम्मिलित हैं—लाखों श्रद्धालु केवल भगवान श्री अमरनाथ जी के प्रति अपनी श्रद्धा एवं भक्ति के कारण इस कठिन एवं दुर्गम यात्रा को करते हैं। प्रत्येक श्रद्धालु, चाहे उसकी आयु, लिंग अथवा निवास स्थान कुछ भी हो, यात्रा के दौरान करुणा, शिष्टाचार, सम्मान एवं गरिमा के साथ व्यवहार किए जाने का अधिकारी है।

संगठन के श्री फकीर चंद वर्मा ने कहा कि प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा, कल्याण, सुविधा एवं गरिमा सुनिश्चित करना श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की सर्वोच्च जिम्मेदारी है, जिसे नागरिक प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ निकट समन्वय में निभाया जाना चाहिए। उन्होंने संबंधित प्राधिकरणों से आग्रह किया कि वर्तमान व्यवस्थाओं की तत्काल समीक्षा की जाए तथा जहाँ कहीं भी कोई कमी या त्रुटि पाई जाए, वहाँ बिना विलंब आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ।

संगठन के मीडिया सचिव श्री पंकज सोनी ने श्राइन बोर्ड से आग्रह किया है कि सभी ट्रांजिट प्वाइंट्स पर भोजन, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं तथा अस्थायी आवास की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए; मानवीय एवं श्रद्धालु-अनुकूल भीड़ प्रबंधन व्यवस्था अपनाई जाए; श्रद्धालुओं को अनावश्यक कठिनाइयों अथवा उत्पीड़न से बचाया जाए; 24म्7 निगरानी एवं शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया जाए; निरंतर पर्यवेक्षण के लिए प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट्स पर वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती की जाए; आपातकालीन संपर्क विवरण एवं सहायता केंद्र (हेल्प डेस्क) संबंधी जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित की जाए; सभी व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए; तथा जहाँ कहीं भी श्रद्धालुओं के कल्याण अथवा गरिमा को प्रभावित करने वाली गंभीर कमियाँ पाई जाएँ, वहाँ संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। संगठन के वित्त सचिव श्री विजय मेहरा ने भी आग्रह किया है कि जीवन एवं जन-सुरक्षा की रक्षा हेतु पूर्णतः अपरिहार्य एवं अत्यंत विरल परिस्थितियों को छोड़कर, शांतिपूर्ण श्रद्धालुओं के विरुद्ध लाठीचार्ज अथवा किसी भी प्रकार की बलपूर्वक अथवा दमनात्मक कार्रवाई न की जाए।

श्री राजन गुप्ता ने अनुरोध किया है कि इस प्रतिवेदन को अत्यंत आवश्यक मानते हुए सभी संबंधित प्राधिकरणों को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए जाएँ तथा उनका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

जिला आयुष सोसायटी की पहली बैठक, एडीडीसी ने आयुष सेवाओं व आधारभूत ढांचे की समीक्षा की

कठुआ, 07 जुलाई (हि.स.)। जिला आयुष सोसायटी की पहली बैठक मंगलवार को अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त सुरिंदर मोहन शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें जिले में आयुष संस्थानों के कार्य, आधारभूत ढांचे के विकास और विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में जिला आयुष अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना, सहायक आयुक्त विकास अखिल सदोत्रा, जिला पंचायत अधिकारी आमिर चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला आयुष अधिकारी ने बताया कि जिले में 57 आयुष संस्थानों जिनमें 42 आयुष आरोग्य मंदिर शामिल हैं के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। बैठक में आयुष पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम के तहत योग और सुप्रजा, वयो मित्र, आयुर विद्या व कारुण्य जैसी आयुर्वेदिक योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा हुई। साथ ही जीएमसी कठुआ में विशेष आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। आधारभूत ढांचे की समीक्षा के दौरान बताया गया कि बिलावर के मंडली में 50 बिस्तरों वाला आयुष अस्पताल लगभग तैयार है और इसे सितंबर तक जनता को समर्पित किया जाएगा जबकि भनोड़ में आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी का निर्माण कार्य जारी है। एडीडीसी ने आयुर्वेद और योग को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए संबंधित विभागों को सभी परियोजनाएं समय पर पूरी करने और आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

तरुण सिंगला बने फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज़, जम्मू के नए चेयरमैन

जम्मू,, 07 जुलाई (हि.स.)। फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज़, जम्मू की बैठक में बाड़ी ब्राह्मणा इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन के अध्यक्ष तरुण सिंगला को सर्वसम्मति से नया चेयरमैन चुना गया।

पदभार संभालने के बाद उन्होंने सभी औद्योगिक संगठनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फेडरेशन जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ समन्वय बनाकर उद्योगों के अनुकूल माहौल तैयार करने और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए काम करेगी।

उन्होंने मौजूदा और नए उद्योगों के लिए सहायता पैकेज, एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, ब्याज सब्सिडी, फ्रेट सब्सिडी, टर्नओवर इंसेंटिव, स्थानीय उद्योगों को खरीद में प्राथमिकता तथा औद्योगिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने जैसे लंबित मुद्दों को प्राथमिकता से उठाने का भरोसा दिया।